संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -347 शनिवार ,19 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रुपये

बहराइच एनकाउंटर मामले पर गरमाई राजनीति

» बहराइच एनकाउंटर मामले पर अखिलेश यादव बोले... सरकार के काम करने का नया तरीका है एनकाउंटर...

» अखिलेश यादव ने एनकाउंटर को फर्जी करार दिया...कहा- सरकार समाज को बांटने की राजनीति कर रही है...

बहराइच,18अक्टूबर 2024 (ए)। बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान राम गोपाल मिश्रा की हत्या के आरोपी रिंकू उर्फ सरफराज व मोहम्मद तालिब का एनकाउंटर हो गया है। उसके बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इसको फर्जी एनकाउंटर करार दिया है।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लगातार इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। ये घटनाएं सरकार की नाकामी के कारण हो रही हैं। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए एनकाउंटर कर रही हैं। एनकाउंटर, हाफ एनकाउंटर और भी कई परिभाषाएं हैं सरकार ने बनाई है।

नफरत को बढ़ावा देना काम करने का तरीका

उन्होंने आगे कहा कि एनकाउंटर से ही कानून-व्यवस्था बेहतर हो रही होती, तो अभी उत्तर प्रदेश कई आंकड़ों में दूसरे प्रदेशों से अच्छा होता। यह प्रशासनिक विफलता थी कि जब वहां (बहराइच) कार्यक्रम पुलिस की जानकारी में था तो आखिरकार वे शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम संपन्न क्यों नहीं करवा पाए? एनकाउंटर करना और नफरत को बढ़ावा देना, यह इस सरकार के काम करने का नया तरीका है। यह कहां की न्याय व्यवस्था है? सरकार की नजर में भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरकार बांटकर राजनीति कर रही है। यह दंगे कराए गए है, इसलिए कराने वालों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश की पुलिस को फर्जी एनकाउंटर कराकर बिगाड़ दिया है।

बहराइच एनकाउंटर पर असदुद्दीन ओवैसी बोले... ठोक दो नीति संविधान के खिलाफ

बहराइच एनकाउंटर पर एआईएमआईएएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का बयान आया है। उन्होंने कहा कि यह यूपी के सीएम की पिछले कुछ सालों से चली आ रही ठोक दो नीति का उदाहरण है। हम बीजेपी, पीएम मोदी और यूपी सीएम से कई बार कह चुके हैं कि ये ठोक दो की नीति संविधान के खिलाफ है। उत्तर प्रदेश संविधान और कानून के शासन से चलना चाहिए, बंदूक के शासन से नहीं। अगर आप कुछ गलत करेंगे तो वो चलता रहेगा और कोई भी किसी को भी गोली मार देगा। पुलिस को उन्हें गिरफ्तार दिखाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। ओवैसी ने आगे कहा कि घटना स्थल से 70 किमी दूर हथियार कौन छिपाता है और मुठभेड़ कितनी दूर हुई? वीडियो नेटफ्लिक्स मूवी जैसा लग रहा था। इंस्पेक्टर को नेटफ्लिक्स जाना चाहिए, उसे बहुत अधिक भुगतान किया जाएगा। एनकाउंटर करने वाली पुलिस को उनके अचूक निशाने के कारण ओलंपिक में भेजा जाना चाहिए। अगर आरोपियों के खिलाफ सबूत है, तो उन्हें अदालत में ले जाएं और सजा दें। अगर आप जज हैं तो कोर्ट और संविधान का उद्देश्य क्या है? एक समुदाय के खिलाफ नफरत दिखाई जा रही है।

कांग्रेस ने कहा...यूपी में हो रहे फर्जी मुठभेड़

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। प्रदेश में फर्जी मुठभेड़ों की फेहरिस्त है। मुझे लगता है कि जिस प्रदेश में एडीजी लॉ एंड ऑर्डर को दंगे के 48 घंटे बाद भी हथियार लेकर चलना पड़े, तो समझ लें कि वहां कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। हम यूपी में शांति बहाल करने की अपील करते रहे हैं।

फर्जी एनकाउंटर करा रही सरकार...अजय राय

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बहराइच एनकाउंटर को फर्जी करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार पहले से फर्जी एनकाउंटर करा रही है। इन्होंने मंगेश यादव, अजीत प्रताप सिंह और अब सरफराज व तालिब का फर्जी एनकाउंटर कराया है।

सीएम के सांसद बेटे पर लगा महाकाल मंदिर का नियम तोड़ने का आरोप

कांग्रेस हुई हमलावर

उज्जैन,18 अक्टूबर 2024 (ए)। उज्जैन के महाकाल मंदिर में नियमों के उल्लंघन का एक और मामला सामने आया है. इस बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पुत्र और सांसद श्रीकांत शिंदे ने अपनी पत्नी और कुछ अन्य लोगों के साथ मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया, जो पिछले एक साल से आम भक्तों के लिए प्रतिबंधित है. यह घटना गुरुवार शाम की है, जब श्रीकांत शिंदे और उनका परिवार शिवलिंग के पास बैठकर पूजा करता हुआ देखा गया. कांग्रेस ने इस मामले पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ता के मद में चूर भाजपा के नेता नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं. कांग्रेस विधायक महेश परमार ने कहा, आम भक्तों को दूर से दर्शन करना पड़ता है, जबकि वीआईपी बिना अनुमति के गर्भगृह में प्रवेश कर रहे हैं. यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मंदिर की व्यवस्थाओं की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े करता है.

महाकाल मंदिर में गर्भगृह में प्रवेश का नियम शिवलिंग के संरक्षण और भक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है. केवल पुजारी, अखाड़े के संत महंतों और कुछ चुनिंदा मंत्रियों को ही गर्भगृह में जाने की अनुमति दी गई है. लेकिन वीआईपी द्वारा बार-बार इस नियम का उल्लंघन किया जा रहा है, जिससे मंदिर प्रशासन की निष्क्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं. ये कोई पहली बार नहीं है जब मंदिर के नियम तोड़े गए हैं. बीते चार महीनों में ये चौथी बार यह स्थिति आई है, जब वीआईपी ने गर्भगृह में प्रवेश किया. हैरानी की बात यह है कि इन घटनाओं पर अब तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है. जिला कलेक्टर, जो मंदिर समिति के अध्यक्ष भी हैं, हर बार यह कहकर बात टाल देते हैं कि मंदिर के प्रशासक इस मामले को देख रहे हैं.

सत्येंद्र जैन को 2 साल बाद मिली जमानत

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2024(ए)।आम आदमी पार्टी के लिए बड़ी राहत की खबर आई है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 2 साल बाद जमानत दे दी है।

सत्येंद्र जैन मई 2022 से तिहाड़ जेल में बंद थे। कोर्ट ने कुछ कड़ी शर्तों के साथ उन्हें जमानत पर रिहा किया है, जिसमें 50,000 रुपये का निजी मुचलका भी शामिल है।कोर्ट ने रखी ये शर्तें राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत देते हुए शर्त रखी है कि सत्येंद्र जैन केस के संबंध में किसी भी व्यक्ति से बातचीत नहीं कर सकते और वह देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि ट्रायल के पूरा होने में अभी वक्त लग सकता है, इसीलिए उन्हें जमानत दी गई है।

देश की संक्षिप्त खबरें

उमर अब्दुल्ला ने मंत्रियों में विभागों का किया बंटवारा

किस मंत्री को मिला कौनसा विभाग

श्रीनगर,18 अक्टूबर 2024(ए)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक से पहले अपने मंत्रियों में विभागों का बंटवारा किया है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस संदर्भ में एक आदेश भी जारी किया है।सीएम उमर अब्दुल्ला ने उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी को लोक निर्माण विभाग, खनन, श्रम एवं रोजगार, कौशल विकास विभाग सौंपा गया है। जबकि सकीना मसूद इट्टू को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और समाज कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा जावेद अहमद को राणा जल शक्ति, वन पर्यावरण, और टराइबल मामलों की जिम्मेदारी मिली है। जावेद अहमद डार को कृषि उत्पादन विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, सहकारिता एवं एवं निर्वाचन विभाग सौंपा गया है।सतीश शर्मा को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता मामले, परिवहन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, युवा सेवा, खेल विभाग का कार्य भर दिया गया है। अन्य विभाग मुख्यमंत्री के अधीन रहेंगे।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में और 5 आरोपी गिरफ्तार

मुंबई,18 अक्टूबर 2024(ए)। मुंबई में एनसीपी के वरिष्ठ नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने पांच और आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई पुलिस ने यह जानकारी दी है। बाबा सिद्दीकी की उनके विधायक बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर पिछले दिनों गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से भी सोशल मीडिया पर जिम्मेदारी ली गई है। मामले में पुलिस ने घटना के तुरंत बाद ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि बाद में भी कई को अरेस्ट किया है।

प्रतिबंधित संगठन पीएफआई पर ईडी का बड़ा खुलासा

» कहा...13 हजार से अधिक हैं एक्टिव सदस्य...

» भारत के खिलाफ कर रहे प्लानिंग...

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2024(ए)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने प्रतिबंधित संगठन पीएफआई की चल और अचल 35 संपत्तियों को जब्त किया है। इन संपत्तियो की कीमत करीब 57 करोड़ रुपये हैं। इन संपत्तियों में कई ट्रस्ट, कंपनिया और निजी संपत्तियां शामिल हैं। ईडी ने दिल्ली पुलिस और एनआईए द्वारा दर्ज मामलों को आधार बनाकर मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया था। जांच में पता चला कि पीएफआई के 29 खातों में देश और विदेश से फंड आया था। डमी फर्मों से फंड हवाला के जरिए और दूसरे तरीकों से भेजा गया था। ईडी इस मामले में फरवरी 2021 से मई 2024 तक पीएफआई से जुड़े 26 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। ईडी ने अब तक 94 करोड़ रुपए की अपराध से अर्जित आय का पता लगाया है।

पीएफआई कर रही थी भारत में गृहयुद्ध की तैयारी

पीएफआई अपने कृत्यों को गैर-हिंसक बताती थी, लेकिन हासिल सबूतों से पता चलता है कि उनके विरोध के तरीके हिंसक हैं। ईडी ने अपनी जांच के दौरान पीएफआई के विरोध के कुछ तरीको को कुछ इस तरीके से बताया है, जैसे गृह युद्ध की तैयारी करना। श्ष्ठ ने अपनी जांच में पाया कि पीएफआई भारत में गृह युद्ध करने के लिए हवाई हमले, गोरिल्ला वॉर करने के लिए एक अलग से टेली कम्युनिकेशन सिस्टम तैयार करने की प्लानिंग कर रहा था। पीएफआई ने अपने सदस्यों को अधिकारियों को परेशान करने, उनको ठगने, सामाजिक संबंध बनाने के साथ दुनिया को मरा हुआ दिखाने के लिए नकली अंतिम संस्कार करने का भी निर्देश दिया था।

पीएफआई के 13 हजार से अधिक एक्टिव सदस्य

ईडी को अपनी जांच में पता चला की पीएफआई का विदेशों में भी बड़ा नेटवर्क है। इसके सिंगापुर और खाड़ी देशों में 13000 से अधिक सक्रिय सदस्य हैं। इन देशों में रहने वाले गैर निवासी मुस्लिम से पैसे इकट्ठा करने के लिए पीएफआईने डिस्ट्रिक्ट एग्जेक्यूटिव समिति का गठन किया है, जिन्हें करोड़ो रुपए की फंडिंग करने का टारगेट दिया गया है। यह पैसा भारत में पीएफआई की आतंकवादी और अवैध गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जांच में पता चला कि पीएफआई का असल मकसद उसके दूसरे मकसदों से अलग है। जांच में पता चला कि पीएफआई का असली मकसद भारत में जिहाद के ज़रिए इस्लामी स्टेट की स्थापना करना है, जबकि वह खुद को सामाजिक आंदोलन के रूप में पेश करता है।

पीएफआई के घातक प्लान

इसके अलावा आतंकवादी ग्रुप बनाने की प्लानिंग के तहत, घातक हथियार और विस्फोटक सामग्री जमा करना और महत्वपूर्ण और संवेदनशील जगहों समेत बड़ी हस्तियों पर हमला करने की योजना बनाना। प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी की पटना यात्रा के दौरान अशांति फैलाने के लिए ट्रेनिंग कैम्प बनाना। देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करने वाले साहित्य को तैयार करना, प्रिंट करना और रखना। जांच के बाद, पीएफआई से जुड़े 35 अचल संपत्तियों जिनकी कीमत 56.56 करोड़ रुपये है, उन्हें जब्त किया गया है। ये संपत्तियां विभिन्न ट्रस्ट, पीएफआई से जुड़े व्यक्तियों और कंपनियों के नाम पर थीं। ईडी ने इन आरोपों के संबंध में पीएफआई के नेताओं और कैडर्स के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर ऐसी 17 संपत्तियों को आतंकवाद से कमाई गई आय के रूप में पहचान कर जब्त किया है।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे से पहले ठाकरे और कांग्रेस में ठनी

बांद्रा पूर्व से उद्धव ने किया उम्मीदवार का ऐलान

मुंबई,18 अक्टूबर 2024(ए)। विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही महाराष्ट्र की राजनीति गरमाने लगी है। विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के दो प्रमुख घटक दल कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की शिवसेना के बीच ठन गई है। हालांकि एमवीए में अभी तक सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय भी नहीं हुआ है लेकिन दोनों दल मुंबई की बांद्रा (पूर्व) सीट को लेकर आमने-सामने आ गए हैं।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने मुंबई की बांद्रा (पूर्व) सीट से उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है। उद्धव की शिवसेना ने कहा है कि वरुण सरदेसाई बांद्रा (पूर्व) विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि वरुण सरदेसाई आदित्य ठाकरे के मौसेरे भाई हैं। वरुण सरदेसाई पिछले 14 साल से युवा सेना में काम कर रहे हैं और आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी लोगों में माना जाते हैं।

जहरीली शराब पीने से मौत पर मचा कोहराम

जेडीयू नेता गोपाल मंडल ने दिया बड़ा बयान

पटना,18 अक्टूबर 2024 (ए)। राज्य के तीन जिलों छपरा, सीवान और गोपालगंज में जहरीली शराब से मौत पर कोहराम मचा हुआ है। जहरीली शराब पीने से कई लोगों के मरने की खबर है। वहीं हॉस्पिटल में भी कई लोगों का इलाज किया जा रहा है। मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में जेडीयू के सीनियर लीडर गोपाल मंडल ने बड़ा बयान दिया है। जहरीली शराब से हो रही मौतों पर जेडीयू के सीनियर लीडर

गोपाल मंडल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गरीब आदमी महुआ (देशी शराब) पीता है, गरीब आदमी जहरीली शराब पीकर मरता है। यहां गुड़ से बनाने वाली शराब में सल्फास और एक्सपायरी टैबलेट मिला दिया जाता है। जो आदमी बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं, जिससे उनकी मौत हो जाती हैं। जेडीयू नेता ने आगे कहा कि जिला अधिकारी अपना काम ठीक से कारण तो सब कुछ सही हो जाएगा। स्थिति को सुधारने के लिए एक कमेटी बनाई जाए। पुलिस भी अपना काम ईमानदारी से करें।

बिहार के छपरा, गोपालगंज और सीवान जिलों में अब तक जहरीली शराब से 37 लोगों की मौत हो चुकी है। सिवान जिले में सबसे ज्यादा 28 लोगों जहरीली शराब से अपनी जान गवाई है। छपरा जिले में 7 और गोपालगंज में 2 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद से ही पुलिस उत्पाद विभाग की टीम के साथ मिलकर बैकुंठपुर, मांझा और बरौली थाना क्षेत्रों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। पुलिस ने छापेमारी में भारी मात्रा में देशी शराब बरामद की है।

ड्रोन की ली जा रही मदद

एसपी अवधेश दीक्षित के निर्देश पर शराब की भट्ठियों की पहचान कर ध्वस्त किया जा रहा है। इसके लिए ड्रोन कैमरे की मदद ली जा रही है। पुलिस ने शराब बनाने वाले उपकरणों, गैस चूल्हों, ड्रम और गैलनों के साथ साथ शराब को भी नष्ट कर रही ही। अब तक 140 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी कर 5,000 लीटर से ज्यादा देशी शराब को नष्ट किया जा चुका है। पुलिस ने कई लोगों को मौके से हिरासत में लिया है फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है।

चाची और भतीजे के प्रेम संबंध का मामला पहुंचा हत्या तक

चाची भतीजे का अवैध संबंध...शादी के बाद इश्क इतना परवान चढ़ा कि...

बाराबंकी,18 अक्टूबर 2024 (ए)। यूपी के बाराबंकी में एक युवक और उसकी चाची का 10 साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। परिवार वालों के जाते ही दोनों रंगरेलियां मनाते थे। दोनों के बीच अवैध संबंधों की परिवार वालों को भनक तक नहीं थी। भतीजे की शादी के बाद चाची से मिलना-जुलना कम होने लगा। खुद से भतीजे की दूरी बर्दाश्त नहीं हुई तो चाची ने विरोध जताना शुरू कर दिया। भतीजे की शादी के बाद भी महिला सगे भतीजे पर शारीरिक संबंध बनाने और रुपये के लिए दबाव बनाती थी। मना करने पर वह पुराने संबंधों को घर में बताने की धमकी देकर विवाद करती थी। जिससे परेशान होकर युवक ने अपने दोस्त के साथ मिल कर सगी चाची की नौ दिन पहले चाकू से गोद कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर

कत्ल में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया है। दोनों आरोपियों को जेल भेजा गया है।

संद्रा थाना क्षेत्र में राज्यमंत्री के गांव में नौ अक्टूबर की देर शाम महिला के घर के पीछे ही खेत में उसकी चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई थी। मृतका के पति ने असंद्रा थाना में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया था। गांव में घर के पीछे ही खेत में महिला की चाकू से गोद कर हत्या होने से पुलिस में हड़कंप रहा। पुलिस ने गंभीरता से तफ्तीश शुरू की। घरवालों से भी पूछताछ की। ग्रामीणों से भी जानकारी ली गई। इसी दौरान मृतका के सगे भतीजे श्रवण कुमार के हाथ पर बंधी पट्टी को देख कर पुलिस को उसी पर शक हो गया। इसके बाद पुलिस ने जांच करते हुए श्रवण पर ही जांच को केंद्रित कर दी। जिससे पुलिस को कई अहम सुराग मिले। जांच में गांव के ही श्रवण के एक साथी राजेन्द्र कुमार का नाम भी सामने आया।

श्रवण व इसके साथी राजेंद्र के खिलाफ हत्या किये जाने के पुख्ता साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। श्रवण ने अपने साथी राजेंद्र के साथ मिल कर हत्या की बात कबूल कर ली।

ईशा फाउंडेशन को सुप्रीम कोर्ट से मिली राहत

लड़कियों को बंधक बनाने का मामला खारिज, आश्रम में पुलिस जांच पर लगी रोक

चेन्नई,18 अक्टूबर 2024(ए)।सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को ईशा फाउंडेशन के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में चल रहे मामले को खारिज कर दिया। एक पिता ने आरोप लगाया था कि उनकी दो बेटियों को जबरदस्ती आश्रम में रखा गया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि दोनों बेटियां अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं और इस मामले में किसी प्रकार की गलतफहमी नहीं होनी चाहिए।

संपादकीय

आज के दौर में अपेक्षित प्रतिक्रियाएं

रिपोर्ट शैक्षिक स्वतंत्रता के बारे में है,इसलिए संभवतः इसकी भारत में ज्यादा चर्चा नहीं होगी। रिपोर्ट चर्चित हो, तो सरकार उसे ठुकरा देगी। सत्ता पक्ष का जवाब आएगा कि यह पूर्वाग्रह से ग्रस्त रिपोर्ट है। ये सब आज के दौर में अपेक्षित प्रतिक्रियाएं हैं।जिन समाजों में आविष्कार होते हैं और जिनकी निगाह भविष्य पर टिकी होती है, वहां दिमागी आजादी पर सीमाएं लगाने की कोशिश सामान्यतः नहीं होती। बल्कि यह मान्यता प्रचलित है कि दिमागी नियंत्रण से बेहतर है, दिमागी नटखटपन को सहना। जबकि एक ताजा अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि पिछले दस साल में भारत में शैक्षिक स्वतंत्रताएं बहुत सिमट गई हैं। स्कॉलर्स ऐट रिस्क (एसएआर) नाम की अंतरराष्ट्रीय संस्था ने अपना ताजा शैक्षिक स्वतंत्रता सूचकांक जारी किया है। एसएआर 665 विश्वविद्यालयों का नेटवर्क है, जिसने विभिन्न देशों में शैक्षिक स्वतंत्रता की स्थिति मापने का एक पैमाना विकसित किया है।ताजा रिपोर्ट फ्री टू थिंक-2024' शीर्षक से जारी की गई है। इसमें बताया गया है कि एक जुलाई 2023 से 30 जून 2024 के बीच 51 देशों में उच्चतर शिक्षा से जुड़े समुदायों की आजादी पर 391 प्रहार किए गए। इन देशों में भारत का खास उल्लेख है। 2013 में एसएआर के सूचकांक पर भारत को 0.6 अंक प्राप्त हुए थे। 2024 में इस पर भारत को सिर्फ 0.2 अंक मिले हैं। इस तरह भारत को एसएआर ने पूर्णतः नियंत्रित' देशों की श्रेणी में डाल दिया है। इस संस्था ने एक ऐतिहासिक डेटाबेस भी तैयार किया है। उसकी रोशनी में इसने कहा है कि भारत में आज शैक्षिक स्वतंत्रता की स्थिति 1940 के दशक के मध्य के बाद से सबसे निचले स्तर पर है।रिपोर्ट में भारत पर शैक्षिक स्वंत्रता पर प्रहार की कई मिसालों का जिक्र है। कहा गया है- भारत में छात्रों और विद्वानों की शैक्षिक स्वतंत्रता के सामने जो सबसे बड़े खतरे दरपेश हैं, उनमें विश्वविद्यालयों, विश्वविद्यालयों की राजनीति, एवं छात्र प्रतिरोध को नियंत्रित करने और हिंदुत्व का एजेंडा थोपने के भारतीय जनता पार्टी के प्रयास भी शामिल हैं।' चूंकि यह रिपोर्ट शैक्षिक स्वतंत्रता के बारे में है, इसलिए संभवत~ इसकी भारत में ज्यादा चर्चा नहीं होगी। रिपोर्ट चर्चित हो, तो सरकार उसे ठुकरा देगी। सत्ता पक्ष का जवाब आएगा कि यह पूर्वाग्रह से ग्रस्त रिपोर्ट है। ये सब आज के दौर में अपेक्षित प्रतिक्रियाएं हैं। मगर उनसे इस रिपोर्ट से उठे मूलभूत प्रश्नों के उत्तर नहीं मिलेंगे।

भारत में स्वास्थ्य सेवा में बदलावःआयुष्मान भारत पीएमजेएवाई का प्रभाव और वादा

विनोद के पॉलराजू (बदला हुआ नाम), आयु 18 वर्ष, को सामान्य रूप से चलते हुए भी सांस लेने में तकलीफ होती थी और वह थकान महसूस करता था। साल 2017 में उसे सीने में दर्द के कारण दिल की गंभीर बिमारी से पीड़ित होने के बारे में पता चला। इलाज की अंतहीन जद्दोजहद में उसके पिता ने परिवार के मवेशी और जमीन तक बेच डाली और पांच लाख रुपये से अधिक रकम के कर्ज में डूब गए। साल 2019 में, उन्हें आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) की ओर से एक पत्र मिला,लेकिन उन्होंने इसको ज्यादा अहमियत नहीं दी। साल 2022 में, राजू की हालत बिगड़ गई, जिसके लिए फौरन सर्जरी करने की आवश्यकता थी। वे हताश और बेबस हो चुके थे। तभी अस्पताल के एक कर्मचारी ने उनके परिवार को पीएमजेएवाई के बारे में पता करने की सलाह दी और उनकी पात्रता की पुष्टि की। इसकी बदौलत राजू की लगभग 1.83 लाख रुपये की लागत वाली जीवन रक्षक सर्जरी संभव हो सकी । आखिरकार, 67 दिन बाद उसे नए सिरे से जिंदगी शुरु करने के लिए अस्पताल से छुट्टी दे मिल गई।आशा, सेहत और खुशी से भरपूर यह कहानी, उन अनगिनत कहानियों में से एक है, जो एबी पीएमजेएवाई के लाभार्थियों के जीवन के इर्द-गिर्द बुनी गई हैं। बीते छह वर्षों में इस योजना के तहत अस्पतालों में लगभग 7.8 करोड़ दाखिलों के साथ पीएम-जेएवाई ने लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है और उनके प्राणों की रक्षा की है और साथ ही, उन रोगियों के परिवारों को अस्पताल के खर्च के कारण गरीबी और पीड़ा के चंगुल में फंसने से भी बचाया है। यह योजना माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।पीएमजेएवाई ने प्रति लाभार्थी परिवार द्वितीयक और तृतीयक उपचार के लिए 5 लाख रुपये तक की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करके सरकारी और निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी के आधार को छुआ है। निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों द्वारा प्रचारित भारी-भरकम रकम की तुलना में यह राशि छोटी लग सकती है, लेकिन योजना की रूपरेखा और पैमाने को देखते हुए लाखों परिवारों के लिए इस राशि का प्रभाव जीवन बदलने वाला और जीवन रक्षक है।योजना की रूपरेखा के अनुसार, पीएमजेएवाई का उद्देश्य अस्पताल में भर्ती रोगियों को द्वितीयक और तृतीयक देखभाल उपलब्ध कराना है, तथा बहिरंग रोगी सेवाएं इस योजना के अंतर्गत नहीं आती। एक महत्वाकांक्षी व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल मिशन के माध्यम से सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के इस दूसरे घटक पर समान रूप से गौर किया जा रहा है,

जिसके तहत 1,75,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्थापित किए गए हैं, जिन्हें पहले स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र कहा जाता था। इनमें निःशुल्क परामर्श, और कई दवाएं (172 तक) और निदान (63 तक) निः शुल्क प्रदान किए जा रहे हैं। वर्तमान में सरकारी प्रयासों का केंद्र इन दोनों प्रणालियों में देखभाल का सुदृढ़ दो-तरफ़ा सम्मिलन और निरंतरता है। भारत का यूएचसी मॉडल सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा पर आधारित है। स्वास्थ्य नीति और सेवाओं को अलग-थलग करके नहीं अपितु समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है। इस योजना के कार्यान्वयन के दौरान, स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) के तहत प्रक्रियाओं और कीमतों को संशोधित और युक्तिसंगत बनाया गया है। साल 2018 में एचबीपी की संख्या 1393 थी, जो 2022 तक बढ़कर 1949 हो गई। स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में क्षेत्रीय भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, विभेदक मूल्य निर्धारण की अवधारणा शुरू की गई है। साथ ही, स्थानीय संदर्भ के अनुसार एचबीपी दरों को और अधिक अनुकूलित करने के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अतिरिक्त लचीलापन प्रदान किया गया है।सेवाओं की निर्बाध प्रदायगी सुनिश्चित करने और व्यवस्था में दुरुपयोग की गुंजाइश को कम करने के लिए पीएमजेएवाई स्वाभाविक रूप से प्रौद्योगिकी-संचालित है, और पेपरलेस या कागज़ रहित होने के साथ-साथ कैशलेस या नकदी रहित भी है। इसमें प्रतिपूर्ति या सह-भुगतान का कोई प्रावधान नहीं है। हालांकि अधिकांश दावों का निपटान समय पर होता है, लेकिन राज्यों के साथ साझेदारी में और सुधार लाने के लिए गहन प्रयास किए जा रहे हैं।इस योजना की सफलता और जन कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के कारण इस वर्ष इसके दायरे को बढ़ाने के लिए दो बड़े कदम उठाए गए हैं। अंतरिम बजट में सरकार द्वारा इस योजना को विस्तारित करते हुए आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लगभग 37 लाख परिवारों को इसके दायरे में लाया गया। दूसरा, भारत की बढ़ती जीवन प्रत्याशा के मद्देनजर, एक और बड़ा कदम सरकार का 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह न करते हुए पीएमजेएवाई कवरेज देने का निर्णय है। इससे 6 करोड़ वरिष्ठ नागरिकों वाले 4.5 करोड़ परिवारों को लाभ होगा। भारत में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) की स्वास्थ्य से संबंधित 75वें चरण की रिपोर्ट से पता चलता है कि इस आयु वर्ग के लिए अस्पताल में भर्ती होने की दर 11 प्रतिशत से अधिक है। लॉन्गिट्यूडिनल एजिंग स्टडी ऑफ इंडिया (एलएएसआई) की 2021 की रिपोर्ट से पता चलता है कि 75 प्रतिशत बुजुर्गों को एक या एक से अधिक पुरानी बीमारियां हैं, 40 प्रतिशत को किसी न किसी तरह की विकलांगता है, और 4 में से 1 बहु-रुग्णता से पीड़ित है। उल्लेखनीय रूप से, 58 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी महिलाओं की है, जिनमें 54 प्रतिशत विधवाएं हैं। वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित अनेक निजी बीमा उत्पादों के विपरीत, पीएमजेएवाई किसी भी वरिष्ठ नागरिक को पहले से चली आ रही बीमारी के कारण बाहर नहीं करता है; न ही यह लाभ देने से पहले किसी वर्ष की प्रतीक्षा अवधि की शर्त रखता है। वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य देखभाल संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करके यह योजना उन्हें स्वस्थ और सम्मानजनक जीवन जीने में समर्थ बनाती है।पीएमजेएवाई सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य क्षेत्रों को एक राष्ट्, एक प्रणाली के सूत्र में जोड़ता है। वर्तमान में, पीएमजेएवाई के पास 29,000 से अधिक सूचीबद्ध अस्पतालों का अखिल भारतीय नेटवर्क है, जिनमें लगभग 13,000 निजी अस्पताल शामिल हैं।

-जगत प्रकाश-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

आधुनिकता से बिखरते परिवार,त्रासदी झेलते बच्चे और बुजुर्ग

भारत मूलतः परंपरावादी वैदिक तथा सनातनी देश है पर आधुनिकता ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए हैं ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है इसी तरह बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका है। बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका है। महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई है। बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी दम पत्तियों पर होती है पर वर्तमान में बच्चे मां बाप से दूर होते जा रहे हैं और बुजुर्ग अपनी संतानों से मोबाइल ,व्हाट्सएप्प फेसबुक और इंटरनेट ने नौजवान पीढ़ी और बुजुर्गों के बीच एक बड़ा संवाद हीनता का संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप्प इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा हैद्य उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित है। करोना की तीसरी लहर से भारतीय समाज में निवास कर रहे बुजुर्गों की बड़ी संख्या को हमें सुरक्षित और महफूज रखना है। वह वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं,अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंद्य इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगीद्य भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है। सैकड़ों लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं। हमें कोविड-19 के आतंक के साए को भी नहीं भूलना चाहिए।हमे लगातार सावधानी रख कोविड-19 के प्रोटोकॉल का अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ संगठन की गाइडलाइंस के अनुसार अपना आचरण रखना होगा। अन्यथा कोविड-19 की तीसरी लहर फिर भारत के निवासियों को परेशान कर सकती है। भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर की शुरुआत बड़े शहरों से लेकर छोटे शहरों तक हो चुकी है। इसके लिए हमें अतिरिक्त सावधानी रखनी होगी। मैंने पहले भी कहा था कि करोना का केरल हॉटस्पॉट बन चुका है। अब दिल्ली, मुंबई चेन्नई अहमदाबाद तथा पूर्वोत्तर राज्य मैं भी कोविड-19 की तीसरी लहर के आंकड़े

डरावने हो गए हैं। करोना का डेल्टा वैरीअंट यानी करोना की तीसरी लहर हर जगह फैलने लगी है।

अब यह संक्रमण भारत के महानगरों में फैलने की आशंका को लेकर आया है

दिल्ली ,मुंबई कोलकाता, अहमदाबाद,चेन्नई से कोविड-19 की तीसरी लहर अपना पैर पसार चुकी है। और यदि आपने अपने चेहरे पर मास्क नहीं लगाया, लगातार हाथ नहीं धोया, लोगों से 2 गज की दूरी नहीं रखी और भीड़ भाड़ में जाने से नहीं बचे, तो निश्चित तौर पर कोविड-19 का डेल्टा वैरीअंट को आने से कोई नहीं रोक सकता है । वैसे भी विश्व में इंडोनेशिय, मलेशिया, थाईलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, अर्जेंटीना, अमेरिका मैं डेल्टा वैरीअंट के तेजी से हजारों प्रकरण बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका डेल्टा वैरीअंट के संक्रमण का भयानक प्रकोप झेल रहा है। भारत में भी पूर्वांचल प्रदेशों में मिजोरम, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा में तीसरी लहर के आसार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। ब्रिटेन, अमेरिका,और फ्रांस जैसे उच्च शिक्षित देशों के नागरिकों ने लॉकडाउन हटते ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा जारी की गई गाइडलाइंस का उल्लंघन कर कोविड-19 की तीसरे संक्रमण की लहर को आमंत्रित कर लिया है। अमेरिका के स्वास्थ विभाग के वैज्ञानिक डॉ मूर्ति ने यहां तक कहा कि अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को तीसरी लहर के अल्फा बीटा गामा कप्पा और डेल्टा वैरीअंट से बचने के लिए इंजेक्शन का बूस्टर डोज लगाना पड़ेगा, तभी लोगों की जान बच पाएगी।

24 करोड़ आबादी वाला उत्तर प्रदेश अब तक करोना की लहर से लड़कर उसे दबाने में काफी हद तक सफल रहा है। खुलेआम पर्यटन स्थलों पर मौज मस्ती करने वाले अमीर लोग अपना इलाज तो आसानी से करवा लेंगे पर सबसे बड़ी मुसीबत गरीब तथा सर्वहारा वर्ग के लिए होगी जि ऐसे में यदि भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर पर्यटन स्थलों में घूमते हुए बेखौफ लोगों से भारत फिर फैलती है, तो आम जनता का जीवन यापन कठिन तथा दुष्कर हो जाएगा। और जिंदगी बचाने के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम होने की पूरी संभावना है। देश में कोरोना की प्रथम लहर के थोड़े से नियंत्रण में आने के बाद सरकारों और आला अधिकारियों को यह गलतफहमी हो गई थी,कि करोना पूरी तरह नियंत्रित हो गया है। और वापस लौटकर नहीं आएगा। इसीलिए उन्होंने बाजार, आम सभाएं, शादी समारोह, होटल, टॉकीज,बड़े बड़े मॉल को खोलने की तथा ग्राहकों को आमंत्रित करने की अनुमति दी थी। और नीति निर्माता, राज्य सरकारों, केंद्र सरकार तथा मंत्रालय में बैठे बड़े-बड़े आला अधिकारियों ने कभी कल्पना ही नहीं की थी कि करोना की दूसरी लहर भी आएगी, और इसी के चलते उन्होंने न तो कोई दूरदर्शी नीति बनाई और ना ही इससे बचने के किसी उपाय पर विचार ही किया । यह उनकी सबसे बड़ी गलती थी, तथा अदूरदर्शिता भी थी । लेकिन करोना कि दूसरी लहर ने संक्रमण की जो तबाही मचाई और लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया , अब कोविड-19 की तीसरी लहर भी इसी तरह के संक्रामकता लाने वाली है। यह तीसरी लहर का वैरीऐंट बच्चों तथा युवा बुजुर्ग लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करेगा, और इसके कोई लक्षण भी नहीं दिखाई देंगे, कोविड-19 की पहली लहर में संक्रमण दस दिन तक अपने उफान पर रहता था अब दूसरी लहर में 5 दिन में या पूरे शबाब पर आ जाता है, तीसरी लहर में न जाने यह दो या तीन दिन में अपना सर्वाधिक असर दिखाने वाला होगा, ऐसे में तीसरा संक्रमण कॉल बहुत ज्यादा डरावना और संक्रमण का होगा,वह दूसरे संक्रमण काल से भी ज्यादा मौत देने वाला होगा। ब्रिटेन की वैज्ञानिक शोध पत्रिका लेसेंट ने बताया कि ब्रिटेन फ्रांस बच्चों के लिए वैक्सीन बनाने में सफल हो गए हैं। एवं ब्रिटेन में बच्चों को वैक्सीनेशन देने की अनुमति देने की तैयारी चल रही है भारत के नौजवान बुजुर्ग और बच्चे बड़ी तादाद में मौजूद हैं उन सब की रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। खास तौर पर बुजुर्गों की जो शारीरिक रूप से कमजोर एवं अक्षम होते हैं उनकी तरफ विशेष ध्यान देकर हमें उनकी रक्षा करनी होगी यह हमारा प्रथम दायित्व होगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

आज भी अंग्रेज भारतीय-सोना लूट रहे हैं...

घटती-घटना
पुखराज प्राग
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच ऐतिहासिक संबंध औपनिवेशिक शोषण की विरासत से गहराई से जुड़े हुए हैं, जिसका सबसे महत्वपूर्ण प्रतीक ब्रिटिश शासन के दौरान भारत से बाहर ले जाए गए सोने और अन्य संपत्तियों की बड़ी मात्रा है। यह विरासत आज भी गूंजती रहती है, खासकर विदेशी बैंकों जैसे कि बैंक ऑफ इंग्लैंड और इंटरनेशनल बैंक ऑफ सेटलमेंट्स (बीआईएस) में रखे गए सोने के भंडार के साथ, जिसके बारे में कुछ लोगों का तर्क है कि औपनिवेशिक लूट के लिए प्रतिपूर्ति के रूप में इसे भारत को वापस कर दिया जाना चाहिए। आरबीआई की जारी वर्ष में छमाही अक्टूबर 2023- मार्च 2024 रिपोर्ट में खुलासा करती है कि है कि, अंग्रेजों के पास आज भी भारतीय सोना ऑक्युपाई है; जो एक-दो किलों नहीं जनाब टनों की मात्रा में है।

औपनिवेशिक युग के दौरान, अंग्रेजों ने शोषणकारी कराधान नीतियों, अनुचित व्यापार प्रथाओं और संसाधनों की पूरी तरह से लूट सहित विभिन्न तरीकों से भारत से धन की निकासी की। इस धन का एक बड़ा हिस्सा भारत के सोने के भंडार में शामिल था। ऐतिहासिक रूप से, भारत निजी और सरकारी खजाने दोनों में सोने के सबसे बड़े उत्पादकों और धारकों में से एक था। हालाँकि, इस धन का अधिकांश हिस्सा ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और बाद में ब्रिटिश क्राउन द्वारा ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने के लिए खासकर नेपोलियन युद्धों और दो विश्व युद्धों जैसे वैश्विक संघर्षों के दौरान भेजा गया था। इस धन की निकासी के बारे में अच्छी तरह से जानकारी है। कुछ अनुमानों के अनुसार, 1765 और 1938 के बीच, अंग्रेजों ने करों और शोषण के अन्य रूपों के माध्यम से भारत से लगभग 45 ट्रिलियन डॉलर (आज के मूल्य में) ले लिए। सोने के भंडार इस लूट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे, जिन्हें लंदन ले जाया गया और बैंक ऑफ़ इंग्लैंड में संग्रहीत किया गया, जो ब्रिटिश साम्राज्य की ऊंचाई के दौरान वैश्विक वित्तीय केंद्र के रूप में कार्य करता था। कुछ भारतीय सोने के भंडार स्विट्ज़रलैंड में इंटरनेशनल बैंक ऑफ़ सेटलमेंट्स में भी समाप्त हो गए, जिसे 1930 के दशक में स्थापित किया गया था।

1947 में भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, उम्मीद थी कि इस धन का कुछ हिस्सा नवगठित भारतीय राज्य को वापस कर दिया जाएगा। हालाँकि, कई कूटनीतिक और कानूनी प्रयासों के बावजूद, इनमें से अधिकांश संपत्तियाँ विदेशी नियंत्रण में रहीं। बैंक ऑफ इंग्लैंड और बीआईएस में मौजूद सोना इन संस्थाओं के अंतरराष्ट्रीय मुद्रा भंडार का हिस्सा बना रहा और इसे भारत को लौटाने का विचार अंतरराष्ट्रीय वार्ताओं में काफी हद तक असफल रहा। हाल के वर्षों में, इस मुद्दे में नई दिलचस्पी पैदा हुई है, जो औपनिवेशिक क्षतिपूर्ति और लूटी गई कलाकृतियों और संसाधनों की वापसी के बारे में बढ़ती वैश्विक बातचीत से प्रेरित है। विभिन्न भारतीय राजनेताओं,

कार्यकर्ताओं और विद्वानों ने भारत के अधिकार क्षेत्र वाले सोने को वापस लाने के लिए एक ठोस प्रयास का आह्वान किया है। उनका तर्क है कि ये भंडार केवल वित्तीय परिसंपत्तियाँ नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय विरासत के प्रतीक भी हैं जिन्हें उपनिवेशवाद की हिंसा और शोषण के माध्यम से चुराया गया था।

राजनीतिक और कानूनी बाधाएँ हाल के वर्षों में, कुछ भारतीय सांसदों ने बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखे सोने को वापस लाने के बारे में चर्चा करने पर जोर दिया है। हालाँकि, इन प्रयासों का सामना महत्वपूर्ण चुनौतियों से होता है। औपनिवेशिक शोषण के लिए क्षतिपूर्ति पर अंतर्राष्ट्रीय कानून अस्पष्ट है, अधिकांश देश सोने के भंडार जैसी संपत्ति रखने के लिए उन दावों के लिए दरवाजा खोलने के लिए तैयार नहीं हैं जो अन्य पूर्व उपनिवेशों के लिए एक मिसाल कायम कर सकते हैं। इसके अलावा, कूटनीतिक चैनल अक्सर अधिक समकालीन व्यापार और सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, ऐतिहासिक दावों को पृष्ठभूमि में धकेल देते हैं।

बैंक ऑफ इंग्लैंड, वैश्विक स्तर पर सबसे पुराने और सबसे शक्तिशाली वित्तीय संस्थानों में से एक है, जिसने जटिल कानूनी और वित्तीय तंत्रों का हवाला देते हुए अब तक पूर्व उपनिवेशों को स्वर्ण भंडार वापस करने के किसी भी कदम का विरोध किया है। इसी तरह, इंटरनेशनल बैंक ऑफ सेटलमेंट्स ऐसे नियमों के तहत काम करता है जो ऐसी ऐतिहासिक शिकायतों को हल करना मुश्किल बनाते हैं। दोनों संस्थान सोने को अपने वैश्विक भंडार का हिस्सा मानते हैं, न कि ऐसी संपत्ति के रूप में जिसे विशिष्ट ऐतिहासिक गलतियों से जोड़ा जा सकता है।

भारत के लिए, बैंक ऑफ इंग्लैंड और बीआईएस से अपने सोने की वापसी का मामला केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है-यह ऐतिहासिक न्याय के बारे में है। भारतीय इतिहासकार और अर्थशास्त्री तर्क देते हैं कि औपनिवेशिक शासन के दौरान भारत से ली गई अपार संपत्ति, जिसमें सोना भी शामिल है, आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में बनी हुई विशाल असमानता को समझने के लिए केंद्रीय है। इस अतीत को स्वीकार किए बिना और संबोधित किए बिना, वैश्विक उत्तर और वैश्विक दक्षिण के बीच असंतुलन को ठीक करने के प्रयास अधूरे रह जाते हैं।

भारत औपनिवेशिक क्षतिपूर्ति पर एक अंतरराष्ट्रीय संवाद के लिए दबाव डाल सकता है, जैसा कि नाजी द्वारा लूटे गए सोने या औपनिवेशिक काल के दौरान अफ्रीका से चुराई गई कलाकृतियों के लिए किया गया है। इस तरह की बातचीत में न केवल भारत और यूके शामिल होंगे, बल्कि ऐतिहासिक शोषण के लिए न्याय की मांग करने वाले पूर्व उपनिवेशों का एक व्यापक गठबंधन भी शामिल होगा। जबकि बैंक ऑफ इंग्लैंड और बीआईएस से भारतीय सोने की वापसी एक जटिल और चुनौतीपूर्ण मुद्दा है, यह भारत के औपनिवेशिक अतीत और अपने अधिकारों को पुनः प्राप्त करने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बना हुआ है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नियत को साफ रख कर्म भी अच्छे कर ले

घटती-घटना
रविन्द्र कुमार शर्मा
बिलासपुर (हिमाचलप्रदेश)

खुला मन है अगर तो खुशियां मिलती जहां की
ईर्ष्या अगर मन में है तो रहती हमेशा उदासी है
कर्म तेरे अच्छे हैं तो किस्मत तेरी दासी है
नियत अच्छी है तेरी तो घर में मथुरा काशी है
तन की मैल को तो पानी निकाल ले गया
कपड़ों की गंदगी भी साबुन ले जाएगा
उजला तन हो गया कपड़े भी उजले हो गए
मन में जो गन्दगी भरी है उसको कैसे धो पाएगा
नियत को साफ रख कर्म भी अच्छे कर ले
गुनाहों को छोड़ कर नेकी को गोद में भर ले
आखिर में यही काम आनी है तेरे
बुरे कामों को त्याग कर कुछ अच्छे काम कर ले
छोड़ेगा जब बुरे कर्म मन अपने आप अच्छा हो जाएगा
मज़बूती मन को मिलेगी कोई गम नहीं सताएगा अच्छा करेगा तो आगे भी अच्छा ही मिलेगा बुरा चाहेगा भी कोई तेरा कुछ नहीं बिगाड़ पायेगा

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

शो पीस साबित हो रहे शहर में खुले 8 हमर क्लीनिक

स्टाफ की कमी से जूझ रहे क्लीनिक,संपूर्ण दवा व जांच की भी सुविधा नहीं

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लोगों को मोहल्ले में ही स्वास्थ्य सुविधा मिल सके इसके लिए कांग्रेस शासन काल में हमर क्लीनिक की शुरूआत की गई थी। अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत 8 हमर क्लीनिक संचालित है। जबकि शहर के अंदर 10 हमर क्लीनिक बनाया जाना था। लकिन दो हमर क्लीनिक का अब तक कोई अता पता नहीं है। वहीं शहर में संचालित 8 हमर क्लीनिक की भी स्थिति कुछ अच्छी नहीं है। स्टाफ की कमी बनी हुई है। कुछ जगहों पर डॉक्टर भी नहीं हैं। डॉक्टर व स्टाफ की कमी के कारण हमर क्लीनिक की उपयोगिता शून्य साबित हो रही है। आज भी मरीजों का दबाव जिला अस्पताल पर है। सर्दी-खांसी जैसे मरीजों को भी हमर क्लीनिक में इलाज नहीं मिल पा रहा है।

निजी अस्पतालों से छुटकारा व जिला अस्पताल का चक्कर न लगाने पड़े इसके लिए कांग्रेस शासन काल में हमर क्लीनिक की शुरूआत की गई है। लेकिन अंबिकापुर में यह सुविधा अब धीरे-धीरे खत्म होती नजर आ रही है। अंबिकापुर नगर निगम के 48 वार्ड अंतर्गत 8 हमर क्लीनिक संचालित है। लेकिन सभी में स्टाफ की कमी बनी हुई है। कुछ जगहों पर डॉक्टर भी नहीं हैं। जबकि हर हमर क्लीनिक में 1 डॉक्टर के साथ 5 स्टाफ का सेटअप दिया गया था। लकिन किसी भी हमर क्लीनिक में स्टाफ नहीं है। इससे मरीजों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिल पा रही है। आज भी लोग निजी अस्पताल व जिला अस्पताल का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। कुछ दिन पूर्व नगर निगम के सामान्य सभा में भी हमर क्लीनिक में डॉक्टर व स्टाफ की कमी का मुद्दा उठा था। मामले पर पक्ष व विपक्ष के पार्षद एक राय होकर स्वास्थ्य विभाग से जल्द से जल्द डॉक्टर व स्टाफ की कमी को दूर करने की बात कही गई थी।

एक-दो जगहों पर नहीं हैं डॉक्टर

प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सामुदायि स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा डॉ. शीला नेताम ने बताया कि हमर क्लीनिक में पदस्थ डॉक्टरों का संविधा खत्म हो गया था। इस लिए कुछ दिनों तक डॉक्टर की कमी बनी हुई थी। पुनः संविधा पर डॉक्टर की नियुक्ति हो गई है। शहर के अंदर संचालित 8 हमर क्लीनिक में एक-दो जगहों को छोड़क सभी हमर क्लीनिक में डॉक्टर की नियुक्ति हो गई है।

मिलनी थी ये सुविधा

हमर क्लीनिक में 105 प्रकार की दवा के अलावा संपूर्ण बीमारी की जांच की सुविधा की बात कही गई थी, लेकिन वर्तमान में यहां मात्र 90 प्रकार के ही दवा मिल रहे हैं। जांच केवल कीट के माध्यम से की जाती है। जबकि सौंपल कलेक्ट कर जांच जिला अस्पताल के हमर लौब में करानी की व्यवस्था बनाई गई थी। लेकिन मरीजों को न तो अब संपूर्ण दवा मिल पा रहा है और न ही विभिन्न बीमारियों की जांच हो पा रही है।

न तो फॉर्मासिस्ट और न ही स्टाफ नर्स

अंबिकुपर नगर निगम क्षेत्र के 48 वार्ड में कुल 10 हमर क्लीनिक बनना था। लकिन अभी केवल 8 ही हमर क्लीनिक संचालित है। दो हमर क्लीनिक का निमार्ण अभी भी पूर्ण नहीं हो सका है। इसके अलावा एक लखनपुर में भी हमर क्लीनिक संचालित है। लेकिन इन सभी जगहों पर स्टाफ की कमी के कारण मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। हमर क्लीनिक में न तो दवा वितरण के लिए फॉर्मासिस्ट हैं और न ही स्टाफ नर्स की व्यवस्था है।

इन जगहों पर चल रहा हमर क्लीनिक

शहर के बौरीपारा, गोधननुर, गांधीनगर, मुक्तिपारा, बरेजपारा, बिशुनपुर, मायापुर, नमनाकला में हमर क्लीनिक का संचालन हो रहा है। इन हमर क्लीनिक में केवल स्टाफ के नाम पर एएनएप की ड्यूटी लगाई गई है। स्टाफ की व्यवस्था न होने के कारण ओपीडी की संख्या भी धीरे-धीरे कम होती जा रही है।

हमर क्नीनिक में डॉक्टर उपलब्ध हैं। स्टाफ की व्यवस्था नहीं होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था से स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। 90 प्रकार की दवा का भी वितण किया जाता है।

डॉ. शीला नेताम,
प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सा. नवापारा

आदतन अपराधी श्यान सोनी गुंडा-बदमाश की सूची में शामिल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आपराधिक घटनाओं को देखते हुए सरगुजा पुलिस ने गुंडा बदमशों की लिस्ट तैयार कर रही है। लिस्ट में आदतन अपराधी श्यान सोनी का भी नाम शामिल किया गया है। यह वर्ष 2022 से लगातार आपराधिक घटनाओं में शामिल रहा है। कोतवाली में इसके खिलाफ अब तक कुल 8 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं। जिसमें मारपीट, बलवा शामिल है।

श्यान सोनी पिता मुकेश सोनी उम्र 18 वर्ष शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के बरेजपारा का रहने वाला है। इसके खिलाफ कोतवाली में मारपीट, बलवा जैसे 8 प्रकरण वर्ष 2022 से अब तक दर्ज हैं। सबसे ज्यादा आपराधिक घटनाओं में शामिल वर्ष 2024 में रहा है। थाना प्रभारी कोतवाली मनीष सिंह परिहार द्वारा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के समक्ष मामले को अवगत कराया गया था। इसके बाद श्यान सोनी को गुंडा बदमाश एक्ट की सूची में शामिल किया गया है। श्याम सोनी वर्ष 2022 से अपराधिक गतिविधियों में लगातार सक्रिय है। इसके विरूद्ध अब तक 8 प्रकरण मारपीट,बलवा के कोतवाली में दर्ज है। नियंत्रण रखने के लिए समय-समय पर इसके खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है। कोई सुधार नहीं होने पर गुंडा बदमाश की सूची में शामिल किया गया है।

बच्चे अपने कैरियर के प्रति सजग रहें,तभी वो अपने लक्ष्य को कर सकेंगे प्राप्तः एसपी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस एवं स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान् में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के द्वारा सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के मुख्य आतिथ्य में होली क्रास कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी (अंग्रेजी माध्यम) स्कूल अम्बिकापुर में छात्र - छात्राओं को नशा मुक्ति, यातायात के प्रावधानों के सम्बन्ध में जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में संस्था की प्राचार्य सिस्टर जस्सी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरगुजा पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यहीं किशोरावस्था की उम्र है जिसमें बच्चे नशे की ओर आकर्षित होते हैं जिसका भुगतान उन्हें सारी उम्र करना पड़ता है। नशा न केवल एक व्यक्ति का जीवन बर्बाद करता है बल्कि पूरे परिवार,समाज और राष्ट्र को भयंकर नुकसान पहुंचाता है। बच्चे अपने कैरियर के प्रति सजग रहें, तभी वो अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी संयोजक नवा बिहान मंगल पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में नशा के विभिन्न प्रकारों एवं युवाओं को कैसे प्रभावित करता है इस विषय पर विस्तार से बताया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र संचालिका सुश्री विद्या दीदी ने कहा कि नशा तो जीवन में जरुरी है ,किन्तु नशा वो हो जो खुद के शरीर व जीवन को नुकसान न पहुंचाये,आशय ये है कि आप के अन्दर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का नशा हो, देशभक्ति का नशा हो तथा समाज सेवा का नशा हो। वरिष्ठ समाजसेविका वन्दना दत्ता दीदी ने कहा कि नशे से ज्यादा प्रभावित महिला व बच्चे होते हैं।नशे की लत से न जाने कितने परिवार बर्बाद हो चुके हैं। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी जी स्टेट कौंसिल मेम्बर आर्ट ऑफ लिविंग छत्तीसगढ़ ने कहा कि योग एवं अध्यात्म के माध्यम से ही अपने संकल्प शक्ति को मजबूत किया जा सकता है। साहित्यकार,कवि ,वरिष्ठ समाजसेवी संतोष दास सरल जी ने अपने कविता बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, गांजा और शराब नशा हर करथे सबकर ज़िन्दगी ला खराब के माध्यम से युवाओं को नशा से दूर रहने के लिए संदेश दिया। ओजस्वी एवं प्रेरणादायक कविता के प्रत्येक पंक्तियों ने उपस्थित विद्यार्थियों को उत्साह से भर दिया जिस पर सभागार करतल ध्वनि से गूंज उठा। यातायात उप निरीक्षक अभय तिवारी जी ने यातायात के नियमों की जानकारी आंकड़ों सहित दी।साथ ही विद्यार्थियों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए आवश्यक सुझाव एवं दिशा -निर्देश दिए। कार्यक्रम का सफल संचालन नवा बिहान के समन्वयक अनिल कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन नवा बिहान की काउन्सलर सदस्य सुनिधि शुक्ला ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में नवा बिहान टीम के सदस्य हिना खान, रीना ठाकुर, रणधीर सिंह,अमृत लाल प्रधान एवं होली क्रास कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल केहायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

फॉरेस्ट से एनओसी नहीं, पीडब्ल्यूडी के ईई ने आंख मूंद कर लगवाया 28.23 करोड़ का टेंडर

निपट गया सब-इंजीनियर

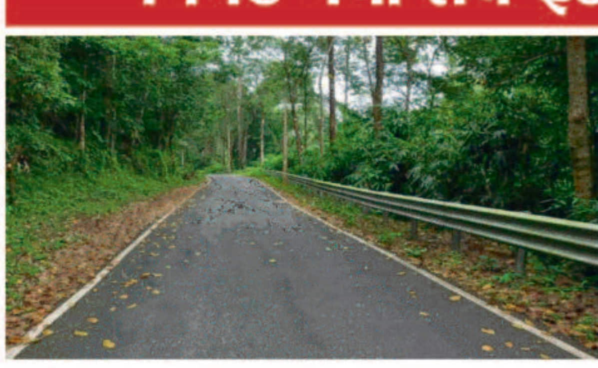

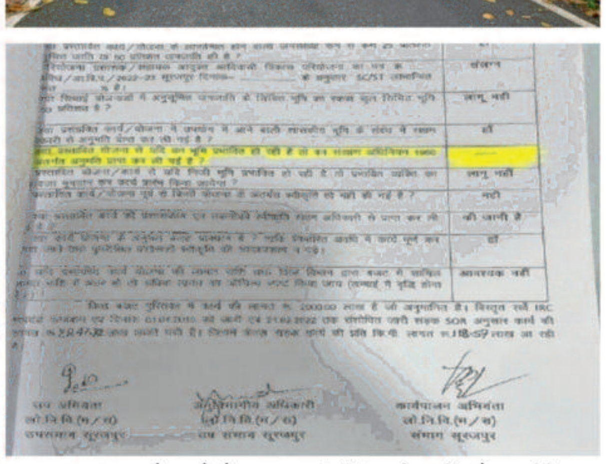

» मामला सामने आने के बाद अब विभाग द्वारा ईई और एसडीओ पर कार्रवाई की तैयारी...

» सीएम ने 2022-23 में की थी बिहारपुर नवाटोला-रसोकी सड़क निर्माण की घोषणा

- समरोज खान -
सूरजपुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पीडब्ल्यूडी सूरजपुर डिविजन ने फॉरेस्ट से एनओसी लिए बगैर ही एक टेंडर लगा लिया। तकनीकी सत्यापन के जरूरी मापदंडों को भी विभाग ने इस काम में पूरा करना उचित नहीं समझा। मनमानी के आलम को कुछ इस अंदाज में समझा जा सकता है कि सब-इंजीनियर के सर्वे और इस्टीमेट पर तात्कालीन ईई और एसडीओ ने आंख मूंदकर दस्तखत कर दिए। जब लापरवाही पकड़ में आई तो तात्कालीन सब-इंजीनियर निखिल यादव को सस्पेंड कर दिया गया। अब इसमें तात्कालीन ईई और एसडीओ पर कार्रवाई की तैयारी शुरु हो गई है।

6 मई 2022 से 8 मई 2022 तक तात्कालीन मुख्यमंत्री सूरजपुर प्रवास पर थे। इस दौरान उन्होंने कई घोषणाएं की थीं। इनमें से एक बिहारपुर नवाटोला मुख्य मार्ग से रसोकी तक 11.25 किलोमीटर की सड़क बनाने का काम भी था। इसकी लागत 2847 लाख रुपए थी। 23 करोड़ 42 लाख 9 हजार रुपए इस सड़क के लिए स्वीकृत किए गए थे।

इस सड़क में पीडब्ल्यूडी सूरजपुर ने लापरवाही की मिसाल पेश की। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद तात्कालीन ईई ने आनन-फानन में सर्वे कराया। इसे तात्कालीन सब-इंजीनियर निखिल यादव ने तैयार किया और एसडीओ राजीव वर्मा ने अप्रूव कर दिया।

फॉरेस्ट से नहीं ली एनओसी

एसडीओ और सब-इंजीनियर ने अपने इस्टीमेट में फॉरेस्ट से एनओसी ही नहीं ली। दोनों ने बिना फॉरेस्ट क्लीयरेंस के ही इस्टीमेट ईई को दे दिया। ईई ने भी लापरवाही की मिसाल पेश की और बिना प्रोफार्मा चेक किए या यूं कहें कि जान-बूझकर सुप्रीटेंडिंग इंजीनियर कार्यालय से होते हुए ईएनसी कार्यालय पहुंचा दी।

यहां से टेंडर लग गया और काम हो भी हो गया। जब मामले की जानकारी वरिष्ठ अफसरों को लगी तो दिखावे के लिए तात्कालीन सब-इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया। लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों पर अब तक कार्रवाई नहीं हो पाई है।

सब इंजीनियर पर हो चुकी है कार्रवाई

पीडब्ल्यूडी सूरजपुर के ईई महादेव लहरे का कहना है कि उक्त सड़क के टेंडर में कुछ गलतियां हुई थीं। इसमें इस्टीमेट तैयार करने वाले सब इंजीनियर निखिल यादव को सस्पेंड कर दिया गया था। वरिष्ठ कार्यालय से हो रही कार्रवाई की जानकारी मुझे नहीं है।

मुझे इस विषय में कुछ नहीं कहना

तात्कालीन सब-इंजीनियर निखिल यादव ने कहा कि नवाटोला-रसोकी मार्ग के मामले में मुझे कुछ नहीं कहना है। अब वो मामला खत्म हो चुका है। मैं अब वहां पोस्टेड भी नहीं हूं। किस पर क्या कार्रवाई हुई, ये मैं नहीं बता सकता।

ग्रामीणों ने आदित्येश्वर सिंह देव से कहा... पुलिस ने लाठीचार्ज किया,टियर गैस फेंके

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

उदयपुर के परसा-केंते क्षेत्र में जंगलों की कटाई के विरोध में हुई ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प की जानकारी के बाद शुक्रवार को जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव ने ग्राम साल्हि जाकर प्रभावितों से मुलाकात कर उन्हें समर्थन का आश्वासन दिया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के महाराष्ट्र चुनाव में पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी के कारण प्रदेश से बाहर होने के कारण उनके निर्देश पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने इस क्षेत्र का दौरा किया। ग्रामीणों ने उन्हें यह जानकारी दी कि गुरुवार की सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के भारी पुलिस बल के साथ साल्हि,फतेहपुर और हरिहर में वनभूमि के साथ ही राजस्व भूमि पर पेड़ों की कटाई प्रारंभ कर दी गई। ऐसी भूमि पर भी कटाई की जानकारी ग्रामीणों ने दी जिनपर मुआवजा ही नहीं लिया गया था। प्रशासन के द्वारा बलपूर्वक कटाई के कारण वृक्षों के खेतों में गिरने से फसलों को भी भारी नुकसान की जानकारी ग्रामीणों ने दी। ग्रामीणों का कहना था कि जब वे शान्ति पूर्वक इसका प्रतिवाद कर रहे थे तब पुलिस ने उन्हें बलपूर्वक खदेड़ना प्रारंभ किया। इस दौरान ग्रामीणों पर लाठीचार्ज किया गया और टियर गैस फेंका गया। महिलाओं की पुरूष पुलिसकर्मियों ने पिटाई की। जिला पंचायत उपाध्यक्ष जिस जगह पर ग्रामीणों के दल से मिले वहाँ मौजूद कई ग्रामीण जिनमे महिलाएं भी थी वो घायल अवस्था में मिली। उन्हें इलाज उपलब्ध नहीं था। इसपर जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने कलेक्टर से चर्चा कर गांव में स्वास्थ्य कैम्प लगाने का अनुरोध किया जिसपर कलेक्टर द्वारा शनिवार 11 बजे से गांव में कैम्प लगाने का आश्वासन दिया है। जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने बिना मुआवजा वाले राजस्व भूमि के अधिग्रहण और वनाधिकार पट्टा से संबंधित प्रभावित को लेकर भी कलेक्टर से चर्चा की, जिसमें कलेक्टर ने जांच का आश्वासन दिया है।

ऐसे ग्रामीण जिनकी फसल पेड़ कटाई में प्रभावित हुई है उन्हें भी मुआवजे को लेकर उन्होंने कलेक्टर से चर्चा किआ हैं। मुलाकात के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने ग्रामीणों की चर्चा मोबाईल के माध्यम से पूर्व उपमुख्यमंत्री से भी कराई। जिसमें पूर्व उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को पूर्ण सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया। दौरे के दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष से अडानी के वे कर्मचारी भी मिले जिन्हें जमीन के बदले नौकरी मिली थी। उनकी चिंता थी कि पेड़ों की कटाई रुकने से खदान का विस्तार प्रभावित होगा और खदान बंद हो जाएगा, जिससे उनकी आजीविका भी प्रभावित होगी। सभी ग्रामीणों को सुनने के बाद उन्होंने यह को कहा कि प्रशासन को बलपूर्वक करवाई करने से बचना चाहिए। बिना ग्रामीणों की सहमति के बलपूर्वक करवाई स्वीकार नहीं है। भविष्य में ऐसा न हो इस बात की हिदायत उन्होंने मीडिया के मध्यम से दी है।

धरने पर बैठने की चेतावनी के बाद प्रशासन ने मिलने की अनुमति दी

कटाई का विरोध कर रहे ग्रामीण ग्राम साल्हि के जिस क्षेत्र में थे वो पूरा इलाका पुलिस बल के घेरे में था। प्रशासन इस क्षेत्र में जिला पंचायत उपाध्यक्ष के साथ ही कॉग्रेस के कार्यकर्ताओं को जाने से रोक रहा था। फिर जिला पंचायत उपाध्यक्ष के द्वारा धरने पर बैठाने की चेतावनी देने के बाद प्रशासन ने कुछ 7 लोगों को ग्रामीणों तक जाने की इजाजत दी। इसके बाद जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव, श्रम कल्याण बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष मो शफ़ी अहमद, प्रदेश महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा, राजनाथ सिंह, ओमप्रकाश सिंह, नीरज मिश्रा करीब 3 कि मी पैदल चलकर ग्रामीणों से मिले।

शनिवार कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष करेंगे दौरा

शनिवार को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात करेंगे। वे 1 बजे दोपहर में ग्राम साल्हि पहुचेंगे ओर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेंगे।

पेड़ कटाई के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाले 10 ग्रामीणों पर अपराध दर्ज

अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)। थाना पत्थलगांव में पदस्थ उप निरीक्षक भागवत नायकार ने उदयपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि गुरुवार को उदयपुर विकासखंड के ग्राम साल्ही और आस-पास के अन्य ग्रामों में पेड़ों की कटाई की जानी थी। इसके लिए एसपी जशपुर के निर्देश पर मेरी ड्यूटी लगाई गई थी। मौके पर उपर कलेक्टर सुनील नायक सहित अन्य अधिकारी के साथ काफी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। इस दौरान आस-पास गांव के लगभग 70-80 ग्रामीण कार्य स्थल में आकर वृक्ष विदोहन कार्य का विरोध करने लगे। जिसे राजस्व अमला द्वारा समझाइश दिए जाने के बावजूद भी ग्रामीण नहीं माने और उग्र होकर टांगी, डण्डा, लाठी, तीर, धनुष, गुलेल पुलिस बल व राजस्व अमला कर दिए। हमले में 3 निरीक्षक सहित 13 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। थाना पत्थलगांव में पदस्थ उप निरीक्षक भागवत नायकार ने रामलाल करियाम, आनंद कुसरो, मुनेश्वर पोर्ते, अखलेश पावले, जय इक्षसह कुसरो, सुखदेव पोर्ते, ठाकुर कुसरो, सुनीता पोर्ते, बुधराम उईके, बुधराम कुसरो सहित अन्य के खिलाफ उदयपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 109, 132, 190, 191, 195 व 221 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आवश्यकता है
दैनिक अख़बार घटती घटना
में मशीन हेल्फर की आवश्यकता है
कार्य समयः शाम 7 बजे से देर रात तक
योग्यता 10वीं पास
वेतन 7 से 10 हजार
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
संपर्क-संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,नमनाकला
अंबिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़, मो. 9826532611

रूसी हमलावर ड्रोन के निर्माण में मदद का आरोप,अमेरिका ने चीन को ऐसे सिखाया सबक

वाशिंगटन,18 अक्टूबर 2024। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने ड्रोन के इंजन और पुर्जे बनाने वाली दो चीनी कंपनियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी सरकार ने कहा है कि इन कंपनियों ने लंबी दूरी

तक मार करने में सक्षम ड्रोन बनाने में रूस की सीधे मदद की, जिनका इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में किया गया। पाबंदी लगाने की घोषणा से पहले नाम ना बताने की शर्त पर वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने पहले चीन पर इस बात के लिए आरोप लगाया था कि वह यूक्रेन के खिलाफ क्रेमलिन के युद्ध को जारी रखने के लिए रूस के सैन्य-औद्योगिक आधार को सहायता प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि नवीनतम प्रतिबंधों का मकसद बीजिंग और मॉस्को के बीच %प्रत्यक्ष गतिविधि' को निशाना बनाना है।

यूक्रेन में हुई तबाही

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा कि रूस के गार्पिया श्रृंखला के लंबी दूरी के हमलावर ड्रोन रूसी रक्षा कंपनियों के सहयोग से चीन में डिजाइन और निर्मित किए गए जिनका उपयोग यूक्रेन में युद्ध के दौरान महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए किया गया। इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर तबाही हुई। बीजिंग ने इस बात पर जोर दिया है कि वह यूक्रेन या रूस को हथियार उपलब्ध नहीं कराता है। उसने रूस के साथ अपने व्यापार को सामान्य और पारदर्शी बताया है।

याह्या सिनवार की मौत के बाद कौन संभालेगा हमास की कमान? सामने आए ये प्रमुख नाम...

इस्राइल,18 अक्टूबर 2024। इस्राइल के हमले में हमास प्रमुख याह्या सिनवार की मौत हो गई है। सिनवार की मौत से हमास को बड़ा झटका लगा है। इस्राइल के खिलाफ सात अक्तूबर 2023 से शुरू हुए हमास के हमलों में सिनवार का बड़ा हाथ था। लगातार हमलों के बाद इस्राइली सेना ने हमास को पूरी तरह से खत्म करने की ठानी और अब तक हमास के कई प्रमुख चेहरों को मार दिया है। सिनवार की मौत के बाद हमास की कमान कौन संभालेगा, इसे लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हमास में अभी भी कई ऐसे नेता हैं, जो इस्राइल के हमलों से बचे हुए हैं।

कौन था याह्या सिनवार?

याह्या सिनवार गाजा पट्टी में हमास का शीर्ष नेता था। इस्राइल में 7 अक्तूबर को हुए हमास के हमले का मास्टरमाइंड भी याह्या सिनवार को माना जाता है। याह्या सिनवार को गाजा का सबसे ताकतवर नेता माना जाता था। वह इस्राइल की कैद में रह चुका है और करीब 24 साल जेल में बिता चुका था। इस्राइली सैनिक गिलाद शालित के बदले में इस्राइल की जेल से 1027 फलस्तीनी कैदी रिहा किए गए थे, उन्हीं कैदियों में याह्या सिनवार भी शामिल था। सिनवार ईरान का करीबी था और हमास के कट्टरपंथी समूह का नेतृत्व करता था। याह्या सिनवार इस्राइल की उस सूची में शीर्ष पर था, जिनका इस्राइल खात्मा करना चाहता था। वह अपनी क्रूरता के लिए कुख्यात था और हमास के नेतृत्व में तेजी से आगे बढ़ा। उसने 12 संदिग्ध सहयोगियों की हत्या भी की थी, जिसके बाद उसे खान यूनिस का कसाई कहा जाने लगा। जुलाई के आखिर में हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख इस्माइल हानिया की ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी। इसके बाद हमास ने याह्या सिनवार को अपना प्रमुख नेता चुना था।

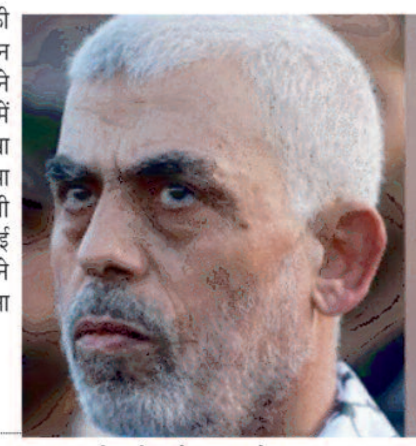

खालिद मेशाल का नाम आगे

खालिद मेशाल को हमास का नया नेता माना जा रहा है। मेशाल को दुनिया भर में तब पहचान मिली थी जब 1997 में इस्राइल एजेंटों ने जॉर्डन की राजधानी अम्मान में उनकी असफल हत्या की कोशिश की थी। मेशाल को जहर का इंजेक्शन लगाया गया था लेकिन वह बच निकले। 68 वर्षीय मेशाल को इस्राइल द्वारा खत्म करने की कोशिश की गई लेकिन वह निर्वासन के दौरान वह हमास के नेता बन गए। इसके बाद उन्होंने दुनिया भर की विदेशी सरकारों के साथ बैठकें की और फलस्तीनी इस्लामवादी समूह का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम बनाया। खालिद मेशाल का उद्देश्य भी फलस्तीन और हमास की तरह ही इस्राइल के कब्जे से गाजा को मुक्त करवाना है।

खलील अल हय्या रहा है सिनवार का उपनेता

हमास प्रमुख को लेकर खलील अल हय्या का नाम भी चर्चा में है। कतर में रह रहा हय्या ही बंधकों की रिहाई और युद्ध विराम के लिए बातचीत का नेतृत्व कर रहा है। हय्या को ईरान का पसंदीदा भी बताया जाता है। वह सिनवार का उपनेता है। 2007 में इस्राइल ने उसके घर पर हमला किया था, लेकिन वह बच निकला था।

मौसा अबू मरजौक के नाम की भी चर्चा

हमास के राजनीतिक ब्यूरो का सदस्य और संस्थापकों में से एक मौसा अबू मरजौक के नाम की भी चर्चा है। उसने संयुक्त अरब अमीरात से सियासत शुरू की थी। उसने फलस्तीनी मुस्लिम ब्रदरहुड की शाखा स्थापित की। इसके बाद उसने अमेरिका में इस्लामिक संस्थाओं की स्थापना की। 1996 में उस पर इस्राइल ने हमलों की फंडिंग करने का आरोप लगाया था। वह 22 महीने तक मैनहट्टन जेल में भी रहा। बाद में अमेरिका ने उसको जॉर्डन निर्वासित कर दिया।

बलरामपुर कलेक्टर ने ग्राम महावीरगंज के 855 एकड़ अवैध प्रविष्टियों को किया निरस्त

- संवाददाता -
बलरामपुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर रामानुजगंज रामानुजगंज तहसील अंतर्गत ग्राम महावीरगंज के वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेखों में अवैध प्रविष्टियों की जांच के बाद कलेक्टर रिमिजियुस एक्का ने निरस्त करने का आदेश जारी किया है।

संदेहास्पद और अधिकाररहित प्रविष्टियों की व्यापक जांच के बाद अवैध बटांकन को समाप्त करने का निर्णय लिया गया। साथ ही कलेक्टर ने रामानुजगंज तहसीलदार को इन प्रविष्टियों को 1954-55 के अधिकार अभिलेखों से विलोपित करते हुए एक सप्ताह में प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

जांच के आधार पर बड़े पैमाने पर अवैध प्रविष्टियों की पहचान

जिला अभिलेखागार बलरामपुर-रामानुजगंज में ग्राम महावीरगंज के वर्ष 1954-55 के अधिकार अभिलेखों में जांच दल ने अवैध प्रविष्टियों का पता लगाया। इस जांच में पाया गया कि खाता क्रमांक 16, 73, 11, 14, 21, 30, 40, 92, और 53 में कई नामों पर दर्ज भूमि की प्रविष्टियां वैधानिक अधिकारों के बिना ही दर्ज कर दी गई थीं।

जिन नामों पर ये प्रविष्टियां पाई गईं उनमें इसहाक आ. नान्हु मिंया, सागर आ. ठूपा, खेलावन आ. चोवा, गुलाम नबी आ. जसमुद्दीन, मोईनुद्दीन आ. रहीम, चांद मोहम्मद आ. कलम मिंया, मंगरी आ. मो. अली और रसुलन आ. हुसैन मिंया शामिल हैं।

बलरामपुर कलेक्टर के आदेश की हो रही चर्चा

जांच में यह भी पाया गया कि इन प्रविष्टियों में बिना सक्षम अधिकारी की स्वीकृति के जमीनों का बटांकन किया गया और चालू नक्शा शीट में कुछ प्रविष्टियों को गांव की सीमा के बाहर दर्ज किया गया। काली और लाल स्याही से की गई यह प्रविष्टियां संदिग्ध और कूटरचित पाई गईं, जिससे यह स्पष्ट है कि इन प्रविष्टियों में गंभीर अनियमितताएं थीं।

कलेक्टर ने दिया निरस्तीकरण का आदेश

जांच दल की सिफारिशों और प्रतिवेदन के आधार पर कलेक्टर ने इन अवैध प्रविष्टियों को निरस्त करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई कलेक्टर द्वारा भूमि और अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य भूमि विवादों को सुलझाना और अवैध प्रविष्टियों को समाप्त करना है।

अवैध प्रविष्टि वाले खातेदारों की सूची

जांच में कुल 855 से अधिक एकड़ भूमि की अवैध प्रविष्टियों का पता चला, जिसमें प्रमुख रूप से खाता क्रमांक 16 में रकबा 94.93 एकड पर इसहाक, खाता क्रमांक 73 में रकबा 94.20 एकड़ पर सागर, खाता क्रमांक 11 में रकबा 98.40 एकड़ पर खेलावन, खाता क्रमांक 14 में रकबा 90.70 एकड़ पर गुलाम नबी, खाता क्रमांक 21 में रकबा 95.32 एकड़ मोईनुद्दीन, खाता क्रमांक 30 में रकबा 95.40 एकड़ जान मोहम्मद, खाता क्रमांक 40 में रकबा 94.10 एकड़, खाता क्रमांक 92 में रकबा 94.20 एकड़ पर मंगरी और खाता क्रमांक 53 में रकबा 98.30 एकड़ पर रसुलन के नाम शामिल थे। इन प्रविष्टियों को न केवल अवैध, बल्कि गांव की सीमाओं से बाहर बटांकित पाया गया।

जिला प्रशासन की सख्ती

कलेक्टर की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन भूमि और अभिलेखों की शुद्धता के प्रति गंभीर है। अवैध प्रविष्टियों को निरस्त करने का यह कदम जिले में भूमि विवादों को कम करने और हकदार व्यक्तियों को उनका अधिकार दिलाने के लिए महत्वपूर्ण है। इस आदेश के बाद, ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध भूमि हड़पने जैसी समस्याओं पर नियंत्रण पाने की दिशा में यह एक बड़ी कार्यवाही जिला प्रशासन द्वारा की गई है।

बाइक सवार दो बदमाशों ने स्कूटी सवार युवती का लूटा मोबाइल, फिर धक्का देकर गिराया

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बाइक सवार दो बदमाशों ने शहर के रसुलपुर स्थित एक जीम के पास गुरुवार की शाम करीब 7 बजे स्कूटी सवार के हाथ से मोबाइल लेटकर फरार हो गए। पीछा कर रही युवती को बदमाशों ने धक्का देकर स्कूटी से गिरा दिया। इससे युवती चोटें भी आई है। वहीं पीड़िता के चाचा ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ धारा 115(2), 3(5) व 304 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार नेहाल खान कोतवाली थाना क्षेत्र के रसुलपुर का रहने वाला है। इसकी भतीजी वरीशा परवीन गुरुवार की शाम को नारियल पानी पीने स्कूटी से प्रतिक्षा बस स्टैंड की ओर गई थी। वहां से शाम 6.55 बजे वापस लौट रही थी। रसुलपुर स्थित एक जीम के पास जैसे ही पहुंची थी कि पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और युवती के मोबाइल लूटकर भागने लगे। इस दौरान युवती अपनी स्कूटी से बदमाशों को पीछा कर रही थी। तभी लकड़ी मिल के पास बदमाशों ने युवती को धक्का देकर स्कूटी से गिरा दिया। इससे युवती जख्मी हो गई है। वह घर जाकर घटना की जानकारी परिजन को दी। पीड़िता के चाचा नेहाल खान ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

हसदेव अरण्य में पेड़ों की कटाई करते मजदूर पर गिरा पेड़,हुई मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हसदेव अरण्य में परसा ईस्ट केते एक्सटेंशन खुली खदान के लिए पेड़ों की कटाई करते हुए एक मजदूर पर पेड़ गिर जाने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार को दोपहर लगभग 1ः00 बजे की है।

जानकारी अनुसार परसा कोल ब्लॉक के लिए उदयपुर क्षेत्र में पेड़ों की कटाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया है। दोपहर में वृक्ष काटने के दौरान पेड़ गिर जाने से मजदूर कमलेश्वर सिरदार पिता अकालू राम सिरदार 27 वर्ष निवासी ग्राम लक्ष्मणगढ़ की हालत गंभीर हो गई। आनन फानन में घायल मजदूर को उपचार के लिए सीएससी उदयपुर लाया गया। लेकिन वहां हालात में कोई सुधार नहीं पाया गया। सीएससी उदयपुर द्वारा मजदूर की गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। लेकिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचते ही मौके पर उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी परिजनों को लगते ही वे अस्पताल पहुंच गए। मृतक के शव को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के मर्चुरी में रखा गया है। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

बात दें सरगुजा जिले के उदयपुर तहसील अंतर्गत ग्राम हरिहरपुर में गुरुवार को परसा कोल ब्लॉक के लिए पेड़ों की कटाई की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस-ग्रामीणों के बीच झड़प में 13 पुलिसकर्मी सहित कुछ ग्रामीण घायल हो गए। गम्भीर रूप से घायल एक पुलिस कर्मी को इलाज के लिए रायपुर रिफर किया गया है।

सरगुजा संभाग में प्रत्येक परिस्थिति में लगातार बेजुबानों की सेवा में तत्पर है बेजुबान डॉग संस्था व गौ सेवा मंडल...!

» **बेजुबानों के लिए निशुल्क एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध..!**

आदित्य गुप्ता
अंबिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

लगातार संभाग में बेजुबानों के लिए सेवा दे रही बेजुबान डॉग संस्था और गौ सेवा मंडल पिछले 5-7 वर्षों से यह संस्था सेवा में जुटी हुई है। साथ ही ये दोनों संस्थाएँ घायल आवारा बेजुबानों को अपने आश्रय में सहारा दे रही है ।बेजुबान डॉग संस्था लगभग 5 वर्षों से लगातार अपने पूरे संभाग और आसपास के बेसहारा डॉग्स के लिए जीवन दाता साबित हुई है। कहीं भी आसपास 24/7 कोई डॉग बीमार या दुर्घटना ग्रस्त है तो ये संस्था तत्काल वहाँ पहुँच कर उनका इलाज करती है। इनके पास एक निशुल्क एम्बुलेंस की सुविधा भी है। जिसके माध्यम से ये डॉग्स का रेस्क्यू करते हैं। यह अपने शेल्टर में घायल डॉग्स को आश्रय भी देते हैं। उनके पालन पोषण का ध्यान रखते हैं। जब वो ठीक हो जाते हैं तो फिर उन्हें ये किसी को पालने के लिए दे देते हैं या वापस जिधर से लाये हों उधर रिलीज कर देते हैं।वहीं गौ सेवा मंडल सरगुजा बीते 7 वर्षों से गौ वंशों को बचाने में लगी हुई है सर्दी, गर्मी,बरसात दिन हो या रात 24/7 ये संस्था सभी बेजुबानों के लिए सदैव तत्पर है। इनके पास भी एक एम्बुलेंस है जो 24/7 निशुल्क सेवा देती है। संभाग के आसपास सभी जगहों जहाँ से सूचना मिलती है वहाँ जाकर ये गौ वँशो का इलाज करते हैं और गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करते हैं। बीमार गौ वंश के ठीक हो जाने के पास ये इन्हें अपने गौ आश्रय धाम जो कि ख़लीबा में स्थित है वहाँ रखते हैं। और पूर्ण रूप से स्वस्थ गौ वंशों को किसानों को भी सेवा के लिए निशुल्क देते हैं। यह दोनों संस्थाएं बेजुबानों के लिए जीवन दाता के रूप में कार्य कर रही हैं। इन संस्थाओं के कार्यकर्ता आमतौर पर सभी स्कूल कॉलेज में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स ही हैं। व यह दोनों संस्थाएँ जन सहयोग से चलती हैं। आप भी इनकी मदद अवश्य करें। क्या पता आपका छोटा सा सहयोग किसी बेजुबान की जान बचा दे।

श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर समिति के सदस्यों की बैठक हुई

आदित्य गुप्ता
अम्बिकापुर,18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

» **अम्बिकापुर में श्रीलक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर समिति के सदस्यों की बैठक हुई संपन्न...**

» **श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ हेतु जिम्मेदारियां का हुआ विभाजन, धर्म समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित लोगों को दिया गया दायित्व**

» **महायज्ञ में तन,मन और धन से सहयोग करने वालों की इक्कीस पीढियों का होता है उद्धार-जगतगुरु स्वामी ब्रह्मदेवाचार्य महाराज**

आगामी 11 नवंबर से अम्बिकापुर नगर में श्री यज्ञाधीश-(छत्तीसगढ़ पीठाधीश्वर) जगतगुरु स्वामी ब्रह्मदेवाचार्य महाराज के सानिध्य में शुरू होने वाले श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी को लेकर बुधवार को समिति के लोगों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति के लोगों के द्वारा यज्ञ को सफल बनाने को लेकर अपना अलग-अलग विचार दिया गया। साथ ही कार्यक्रम की तैयारी को लेकर साप्ताहिक बैठक बुलाने की बात कही गई। जिसमें क्षेत्र के सभी लोगों को बैठक में पहुंचकर यज्ञ की तैयारी पर चर्चा करने की बात कही गई। समिति के लोगों द्वारा बताया गया कि वे अपने-अपने वार्ड एवं आसपास के लोगों के पास जाएंगे और वहां पर के अन्य लोगों को भी कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बैठक में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित करेंगे। हालांकि बैठक में सभी लोगों के द्वारा एक स्वर से यज्ञ को सफल बनाने को लेकर अपनी अपनी राय व स्वीकृति दी गई।

आपको बता दें कि बैठक तिथि बड़ी दुर्लभ थी जिस दिन इस महायज्ञ के कार्यक्रम के लिए चिंतन किया जा रहा था सनातन धर्मोत्थान एवं विश्व-कल्याणार्थ हेतु आश्विन शुक्ल पक्ष, शरद पूर्णिमा दिनांक 16/10/2024 दिन बुधवार का था। 12 कुण्डीय श्रीलक्ष्मीनारायण महायज्ञ हेतु मनकामेश्वर महादेव मंदिर नमना कला में बैठक आहूत की गई थी। यज्ञाधीश - (छत्तीसगढ़ पीठाधीश्वर) जगतगुरु स्वामी ब्रह्मदेवाचार्य जी महाराज ने बताया कि जो भी इस महायज्ञ को सम्पन्न कराने में अपना तन, मन और धन से सहयोग करते हैं उनकी आने वाली इक्कीस पीढियों का उद्धार होता है। बैठक का संचालन यज्ञनारायण रामानुज श्रीवैष्णवदास जी के द्वारा किया गया ।बैठक में यज्ञ समिति का गठन कर कार्यक्रम के रूपरेखा, प्रचार प्रसार विभिन्न विषयों पर चर्चाएं की गयी। बैठक में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से सनातन बंधुओं की उपस्थिति रही।जिसमें यज्ञ के संयोजक के रूप में श्री कमलेश सोनी जी का नाम प्रस्तावित करने के साथ श्री चंद्रसेन तिवारी जी, श्री राजेन्द्र पांडेय जी, श्री लड्डू तिवारी जी, श्री संजय पाण्डेय जी, श्री रिंटू चौबे जी को संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। यज्ञ हेतु संरक्षक के रूप में श्री द्वितेन्द्र मिश्र जी, श्री कौशलेंद्र पाण्डेय जी, श्री राजेश तिवारी जी, श्री अनिल दुबे जी, श्री ओमनारायण द्विवेदी जी, श्री अरुण सिंह जी, श्री पुष्पेंद्र मिश्र जी का नाम प्रस्तावित किया गया।सह संयोजक के रूप में श्री अंबिका शुक्ल जी, श्री शैलेन्द्र मिश्र जी, श्री अशोक पाण्डेय जी को जिम्मेदारी दी गई। कोषाध्यक्ष के रूप में श्री सत्येन्द्र पांडेय जी, विनोद तिवारी, श्री अर्पित पाण्डेय जी को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में संत हृदय, धर्मनिष्ठ श्री कौंतेय जायसवाल जी,श्री सुनील तिवारी जी, श्री मनोज शुक्ल जी, श्री लाल विजय श्रीवास्तव जी, श्री आदित्य गुप्ता जी, श्री आकाश दुबे जी, श्री अर्जुन जी, श्री कृष्णा जी, श्री रजनीश तिवारी जी, श्री राजकुमार द्विवेदी जी, श्री चंदन त्रिपाठी जी, श्री अजय उपाध्याय जी, श्री ओम नारायण द्विवेदी जी के साथ सनातन बंधु उपस्थित रहे।

क्या भाजपा का एक कार्यालय से नहीं चल रहा काम ?

जमीन एक उसे हासिल करने की मंशा नगर पालिका बैकुंठपुर व भाजपा जिलाध्यक्ष की ?

जिस जमीन का इश्तेहार 2020 नगर पालिका बैकुंठपुर को आवंटित करने जारी हुई थी वही जमीन को 2024 में भाजपा कार्यालय के लिए आवंटित करने का प्रयास

भाजपा ने मांगा मानस भवन के बगल के नजूल प्लाट,कांग्रेस के पार्षद उतरे विरोध में,जताई एसडीएम कार्यालय में आपत्ति

एसडीएम कार्यालय में आपत्ति दर्ज करने पहुंचे पार्षद

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

क्या सरकार जितने बार बदलेगी इतनी बार पार्टी का कार्यालय बनेगा? कुछ ऐसी ही स्थिति इस समय कोरिया जिले में निर्मित हो रही है छोटा सा जिला कोरिया इस समय दो-दो भाजपा कार्यालय चलने की मनसा में दिख रहा है,भाजपा के पास पहले से ही कार्यालय मौजूद है पर दोबारा कार्यालय बनाने के लिए फिर से मनसा पाल रखी है, इस बार गर्ल्स स्कूल के सामने कार्यालय बनाने की मंशा भाजपा ने दिखाई है और शासकीय भूमि को आवंटन करने की प्रक्रिया शुरू की है जिसका इश्तिहार जारी हुआ तब इसकी जानकारी लोगों को लगी, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि जहां एक कार्यालय से काम चल सकता है तो दो कार्यालय बनवाकर जिलाध्यक्ष क्या साबित करना चाह रहे हैं? जिलाध्यक्ष पहले से ही अपनी पार्टी के लिए आपसी विद्रोह खड़ा कर चुके हैं पर अब न जाने और पार्टी के अंदर कितना विद्रोह कराएंगे?मिली जानकारी के अनुसार भाजपा के जिला अध्यक्ष द्वारा मानस भवन के बगल व गर्ल्स स्कूल बैकुंठपुर के सामने स्थित नजूल प्लॉट को लीज पर लेने के लिए एसडीएम कार्यालय में आवेदन किया है, जिसके संबंध में एसडीएम ने इश्तहार जारी पर दावा आपत्ति बुलाई है, जिसका अंतिम दिवस 18 अक्टूबर 2024 रखा गया, वही कांग्रेस के पार्षदों ने मामले में अपनी आपत्ति जताई है। आपत्ति जताने में नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव,नेता प्रतिपक्ष अन्नपूर्णा सिंह,संजय जायसवाल, ललिता सिंह,मनीष कुमार सिंह, मुशरत जहां, बॉबी, अंकित गुप्ता, सुनील गुप्ता और साधना जायसवाल शामिल है।

बैकुंठपुर नपा उपाध्यक्ष आशीष यादव एसडीएम को आपत्ति दर्ज करते हुए

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं नजूल अधिकारी बैकुण्ठपुर जिला- कोरिया (छ.ग.)

ईश्तहार

सर्व साधारण को इस ईश्तहार के जरिए सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री कृष्ण बिहारी जायसवाल, जिलाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी जिला कोरिया छग के द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय भवन निर्माण हेतु मानस भवन के बगल में नजूल प्लाट क्रमांक 84,85,86 में से 62 डिसमिल भूमि आवंटन करने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ नजूल प्लाट का नजरी नक्शा एवं मेन्टेनेन्स खसरा की सत्यापित प्रति संलग्न किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से

उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 18.10.2024 तक आपत्ति पेश कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई सुनवाई नहीं होगी।

आज दिनांक 10.10.2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा सहित जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.),
एवं नजूल अधिकारी बैकुण्ठपुर
जिला- कोरिया, छ

कार्यालय तहसीलदार बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.)

//ईश्तहार//

क्रमांक/1046/वाचक/2019-20
बैकुण्ठपुर दिनांक28/08/2020

सर्वसाधारण कार्यालय नगरपालिका परिषद बैकण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.) तथा हितबद्ध पक्षकारों को सूचित किया जाता है, कार्यालय नगरपालिका परिषद बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया (छ.ग.) के द्वारा बैकुण्ठपुर निकाय क्षेत्र में पालिका बाजार शापिंग कॉम्पलेक्स निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। कार्य हेतु मानस भवन बैकुण्ठपुर के बगल में शासकीय भू-खण्ड क्रमांक 86, 87 रकबा लगभग 1.7 एकड़ के सम्पूर्ण भू-खण्ड का चयन कर मांग किया गया है। चूंकि उक्त भूमि राजस्व निरीक्षक बैकुण्ठपुर के सीमांकन उपरांत भू-खण्ड क्रमांक 86, 87 रकबा 0.256 हे0 मौके पर पाया। गया है। उक्त भूमि को आबंटन हेतु प्रस्तावित किया गया है।

अतः उक्त संबंध में हित रखने वाले व्यक्तियों को यदि कोई आपत्ति हो तो वें दिनांक 11/09/2020 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के द्वारा इस न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जावेगा।

जारी दिनांक28/08/2020
मुद्रा तहसीलदार
बैकुण्ठपुर जिला-कोरिया (छ.ग.)

जारी इश्तिहार

सौंपे आपत्ति पत्र में बताया है कि पूर्व में आवंटित भूमि का पर्याप्त होना

भा.ज.पा. का जिला कार्यालय पहले से ही जिला मुख्यालय बैकुण्ठपुर में स्थित है, जो 2009-10 में शासन द्वारा आवंटित भूमि पर निर्मित किया गया था। वर्तमान में, कोरिया जिले का विभाजन होने के बाद केवल एक विधानसभा (बैकुण्ठपुर) के कार्यकर्ताओं के लिए यह कार्यालय प्र्याप्त है। इस प्रकार, नए प्लाट के आवंटन की आवश्यकता नहीं हैं। संसाधनों की समीपता और शैक्षणिक संस्थान की स्थितिः जिस भूमि की मांग की जा रही है, उसके सामने शासकीय आदर्श कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुण्ठपुर में स्थित है। यदि इस भूमि का उपयोग पार्टी कार्यालय हेतु किया जाता है, तो यह विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है, जो कि छात्रहित में उचित नहीं है। पूर्व में पालिका बाजार हेतु भूमि का आरक्षणः उक्त भूमि को पहले ही पालिका बाजार के निर्माण हेतु आरक्षित किया गया है। बैकुण्ठपुर में यह भूमि एकमात्र ऐसी इन है, जहां सर्वसुविधायुक्त पालिका बाजार का निर्माण किया जा सकता है, जो शहर के बहुमुखी विकास के लिए आवश्यक है। भूमि आवंटन के पिछले प्रयासों का विवरण, इससे पहले, उक्त भूमि को पुलिस अधीक्षक कार्यालय हेतु आवंटित करने का प्रस्ताव दिया गया था, किन्तु नगर पालिका परिषद की सामान्य सभा की बैठक 03.06.2022 को प्रस्ताव पारित किया गया था कि उक्त भूमि को 01 रूपया प्रति वर्ग फीट की दर से मांग कर भूमि नगर पालिका के नाम पर अंतरण कराते हुए पालिका बाजार निर्माण की कार्यवाही करने हेतु सर्व सम्मति से संकल्प पारित किया गया। सामान्य सभा की बैठक की सत्य प्रतिलिपि संलग्न है। सभी ने हस्ताक्षर कर कहा है कि नजूल प्लाट क्रमांक 84, 85, 86 में से 62 डिसमिल भूमि को पालिका बाजार के लिए सुरक्षित रखते हुए, इसे भा.ज.पा. के जिला कार्यालय के लिए आवंटित न किया जाए, क्योंकि भा.ज.पा. को पहले से ही जिला कार्यालय के लिए भूमि आवंटित की जा चुकी है और उनका कार्यालय वर्तमान में संचालित है।

प्रभारी मंत्री रामविचार नेताम पहुंचे बैकुंठपुर

प्रधानमंत्री आवास मेलारू गरीब व जरूरमंद लोगों को मिला सुरक्षित व पक्का आवासः श्री नेताम

-संवाददाता-
कोरिया, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आज छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा कोरिया एवं मनेंद्रगढ़ -चिरमिरी-भरतपुर के प्रभारी मंत्री श्री रामविचार नेताम आवास मेला कार्यक्रम में पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत जिला पंचायत के आडिटोरियम में आवास मेला का आयोजन किया गया था, जिसमें कोरिया सहित मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से बड़ी संख्या में हितग्राही आए हुए थे। इसके पहले मंत्री श्री रामविचार नेताम का जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योत्सना राजवाड़े, बैकुंठपुर जनपद पंचायत के अध्यक्ष सौभाग्यवती कुसरो, कलेक्टर कोरिया श्रीमती चन्दन त्रिपाठी,कलेक्टर एमसीबी श्री राहुल वेंकट, पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार, कोरिया जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ आशुतोष चतुर्वेदी, एमसीबी के जिला पंचायत सीईओ श्री नितेश उपाध्याय, पूर्व विधायक श्रीमती चंपादेवी पावले, वरिष्ठ जनप्रतिनिधि श्री कृष्ण बिहारी जायसवाल, श्री अनिल केशरवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न विभागीय अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया और पुलिस के जवानों ने सलामी दी।इस अवसर पर जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री रेणुका सिंह व पूर्व विधायक श्रीमती चंपा देवी पावले ने सम्बोधित किया, तो आभार प्रकट जिला पंचायत सीईओ डॉ आशुतोष चतुर्वेदी ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कोरिया व एमसीबी जिले के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

स्टालों का किया निरीक्षण-ब्लड प्रेशर का कराया जांच

आवास मेला के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग, समाज कल्याण विभागों के स्टॉलों का मंत्री श्री नेताम ने निरीक्षण किया। श्री नेताम ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में अपने ब्लड प्रेशर का जांच भी कराए।

मछली खाने का दिया न्यौता

मत्स्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल व हितग्राहियों को इस अवसर पर मछली जाल भी वितरण किया गया। श्री नेताम ने हितग्राहियों को जाल मिलने पर बधाई दी तो उत्सुकतावश एक महिला हितग्राही ने गांव आकर मछली खाने का निमंत्रण भी दिया। श्री नेताम ने उन्हें मुस्कराते हुए सहमति भी दी।

आवास की चाबी व अभिनन्दन पत्र प्रदान

मंत्री श्री नेताम ने बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना के तहत आवास पूर्ण करने वाले कोरिया एवं मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के 14 हितग्राहियों को आवास की चाबी व अभिनन्दन पत्र प्रदान किया साथ ही आवास स्वीकृत 16 नए हितग्राहियों को स्वीकृति आदेश भी दी गई।

स्वायल हेल्थ कार्ड लक्ष्य से अधिक

कलेक्टर ने बताया कि वर्ष 2024-25 के तहत मृदा नमूना, संग्रहन, विश्लेषण तथा स्वायल हेल्थ कार्ड का वितरण 2000 लक्ष्य के विरुद्ध 2087 स्वायल हेल्थ कार्ड का वितरण किया गया है। उन्होंने जिले में शहद की खेती को बढ़ावा देने के लिए कार्य योजना तैयार करने तथा मिलेट्स पर विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के बारे में भी जानकारी दी गई।

कार्य में लापरवाही बरतने के फल स्वरूप सचिव निलंबित एवं सरपंच के विरुद्ध धारा 40 संस्थित

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू द्वारा जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घुमाडांड के सचिव को कार्य में लापरवाही बरतने के फ्लस्वरुप निलंबित किया गया है

एवं सरपंच के विरुद्ध धारा 40 के तहत कार्रवाई की जा रही है। गौरतलब है कि ग्राम पंचायत घुमाड़ंड में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत कराया जा रहा आवास की समीक्षा पर पाया गया कि योजना अंतर्गत आवास स्वीकृति के लिए नियमित शिक्षिका के पति के नाम पर ग्रामसभा से अनुमोदन करते हुए आवास की पात्रता सूची में एक शिक्षिका के पति हैं उनको पात्रता की सूची में रखा गया जो घोर लापरवाही का घोतक है। उक्त प्रकरण की समीक्षा पर लापरवाही बरतने वाले सचिव श्री अनिल कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए जनपद पंचायत प्रतापपुर संलग्न किया गया है।

कौशल पखवाड़ा का किया जा रहा आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

राज्य शासन द्वारा संचालित केन्द्र तथा राज्य शासन की विभिन्न कौशल विकास योजनाओं जैसे प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री जनमन योजना, नल जल मित्र कार्यक्रम,आजीविका विकास कार्यक्रम व नियद नेल्लानार योजना के तहत दिये युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सहायक संचालक सुश्री चारु चित्रा साय ने बताया कि कौशल प्रशिक्षण के लिए निर्धारित वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रगति लाने तथा आम ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण की पहुंच बनाने के उद्देश्य से जिले में 14 से 30 अक्टूबर 2024 तक कौशल पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिले के शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को उनकी रुचि अनुरूप कौशलों में प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा। आज ग्राम पंचायत सुरता रामानुजनगर में जन समस्या निवारण शिविर में कौशल पखवाडा का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित ग्रामीणों को मोबिलाईजेशन एवं काउंसलिंग के द्वारा कौशल प्रशिक्षण की जानकारी दी गई है। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री रोहित व्यास, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, जनपद पंचायत रामानुजनगर मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सभी विभागों से विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

न्यायालय लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब-121/2021-22-2024

ग्राम पंपापुर के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका विजया कुमार आ0/पति रामवृक्ष साहू जाति तेली निवासी ग्राम पम्पापुर लिंक कोर्ट देवनगर तहसील रामानुजनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदक अपने पिता स्व0 रामवृक्ष साहू का विलम्ब/जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीयन कराने बाबत अनुपलब्धता प्रमाण पत्र मय अन्य सहायक दस्तावेज के साथ न्यायालय में आवेदन पत्र पेश किया गया है। मृत्यु दिनांक 20/07/2004।

अतः उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 31/10/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 17/10/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया।

सील
नायब तहसीलदार
देवनगर
जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

गरीब और मध्यमवर्गीय पर कलेक्टर की कार्यवाही बड़े भू माफियाओं को अभयदान ?

लिंगियाडीह मे शासकीय भूमि 54/1 भू माफियाओ के कब्जे मे जिसकी शिकायत जनवरी 2024 मे हुई उस पर कार्यवाही नहीं ?

लिंगियाडीह खसरा नंबर 54/1 करोड़ो की शासकीय भूमि मे भू माफियाओ का कब्जा-

बिलासपुर नगर निगम क्षेत्र और बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के. अंतर्गत आने वाला ये लिंगियाडीह जिसमे शासकीय भूमि 54/1 जो करोड़ो की कीमती भूमि है जिसको कुछ बड़े भू माफियाओ ने दूसरे खसरे का दिखा कर कब्जा किया हुआ है जिसकी शिकायत जनवरी 2024 को को कलेक्टर बिलासपुर, एस डी एम बिलासपुर को किया गया था लेकिन आज पुरे दस माह बीत जाने के बाद भी इस करोड़ो की शासकीय भूमि को मुक्त नहीं कराया गया इससे ऐसा प्रतीत होता है की गरीब मध्यमवर्गीय पर तो शासन, प्रशासन, पुलिस एक मत होकर कार्यवाही करने मे देरी नहीं करते लेकिन जंहा बड़े लोग अवैध कब्जा करके रखे हुए है वहा इनके कार्यवाही करने मे हाथ पैर फुलने लगते है?

प्रति,
श्रीमान् जिला दण्डाधिकारी महोदय,
बिलासपुर (छ0ग0)

-विशेष संवाददाता-
बिलासपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

बिलासपुर मे इस समय कलेक्टर अवनीश शरण की शासकीय भूमि मे अवैध कब्जे को लेकर कार्यवाही बड़े चर्चा मे है शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर लगातार कार्यवाही की जा रही है वो चाहे मोपका का 993 खसरा हो या खमतराई का 551 खसरा की कार्यवाही का हो शासकीय भूमि पर कब्जा खाली कराया जा रहा है और जिन्होंने इसे बेचा उस पर एफ आई आर भी कराई जा रही है जिससे ऐसा लगता है की बिलासपुर के शासकीय भूमि को अब बचाने की मुहीम जो रंग ला रही है जिसकी सराहना आमजनता के बीच बनी हुई है लेकिन इसका दूसरा पहलू आमजनता को शायद पता नहीं है जिसका उन्हें जानना बहुत जरूरी है।

दूसरा पहलू गरीब, मध्यमवर्गीय पर कार्यवाही भू माफियाओ को अभयदान ...

बिलासपुर कलेक्टर से लेकर नगर निगम कमीशनर, एस डी एम, पुलिस सब मिलकर एक बड़ी कार्यवाही इस समय चला रहे है जो शासकीय भूमि है उन्हें चिन्हकित करके खाली कराना और बेचने वाले पर एफ आई आर करना लेकिन ये सब कार्यवाही उन लोगो पर हो रही है जो गरीब है मध्यमवर्गीय है जो किसी न किसी चंगुल मे फंस कर जमीन का अवैध कारोबार करने वाले मे फंस गए है अब न तो उनके पास जमीन बची और जो पैसा देकर खरीदा वो गया सो अलग एक कहावत याद आ रही है ये लोग न घर के रहे और न घाट के लेकिन ये बड़े अधिकारी बड़े माफियाओ के चंगुल से शहर के बीचो बीच करोड़ो की कीमती शासकीय भूमि को. बचाने मे असफल नजर आ रहे है या कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, एस डी एम,पुलिस इन किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने के पक्ष मे नजर आ रही है?

कार्यालय वनमंडलाधिकारी (सा0) मनेन्द्रगढ़, वनमण्डल मनेन्द्रगढ़,छत्तीसगढ

नीलाम-विज्ञापन

सामान्य सूचनाथ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल के काष्ठागार जनकपुर में दिनांक 25/10/2024 को नया पुराना सागौन, साल ईमारती काष्ठ/ जलाउ चट्टा का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 10:00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवे। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्रेताओं का सलाह दी जाती है कि बोली बोलने के पूर्व प्रत्येक लॉट का भली-भाति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगायें। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंतिम रूप से मान्य होगी।

क्र	प्रजापति	नये काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ			
		लट्ठा	बल्ली	लट्ठा		बल्ली	
		नग	घ0मी0	नग	घ0मी0	नग	घ0मी0
1	2	3	4	5	6	7	8
2	सागौन	80.000	500	266	13.633	1064	17.275
3	साल	350.000	300	3405	352.599	887	21.024
4	बीजा	0.0000	0	4	0.337	4	0.205
	योग	430	800	3675	366.569	1955	38.504
5	मिश्रित जलाऊ						

टीपः-
1. ईमारती काष्ठ की नीलामी पहले 10.00 बजे प्रात में की जावेगी तत्पश्चात जलाऊ चट्टो की नीलामी की जायेगी ।
2. छ0ग0 राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाग ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड, वाण्ज्यि कर का जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन एवं छ0ग0 राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2024 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. कृपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई0एम0डी राशि का अलग-अलग चेक रेवें।

जी.नं.-242503246/2

वनमंडलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल,मनेन्द्रगढ़

ट्रैक्टर व ट्रॉली का रजिस्ट्रेशन कृषि कार्य का लेकिन काम खनिज परिवहन का

प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रहने का परिणाम सड़कों पर बेखौफ दौड़ा रहे नाबालिग

-बागी कलम-
अनूपपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कृषि कार्य के नाम पर पंजीकृत ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का सम्पूर्ण जिले में व्यावसायिक उपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है। जिससे शासन को लाखों रुपए के टैक्स की हानि तो हो ही रही है वहीं दुर्घटना होने पर लोगों को क्लेम लेने में भी परेशानी आती है। परिवहन विभाग में ट्रैक्टर-ट्रॉली का पंजीयन कृषि उपयोगी कार्यों के लिए होता है, लेकिन लंबे समय से सड़कों एवं हाइवे पर नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। जबकि ना तो परिवहन विभाग और ना पुलिस विभाग द्वारा इस दिशा मे कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की जाती। ट्रैक्टर ट्रॉली पूरे क्षेत्र मे कृषि कार्य के नाम से पंजीकृत वाहन सड़कों पर रेत, मुरूम, गिट्टी, मिट्टी ढोने में उपयोग होता है।

नाम कृषि का,काम खनिज परिवहन का

जिले एवं आसपास के क्षेत्रो मे सैकड़ों की संख्या मे ट्रैक्टर धड़ल्ले से सड़कों पर दौड़ रहे हैं जो कृषि कार्य के नाम से लिए जाते हैं। जिसमे कृषको के नाम से उन्हें अनुदान भी प्राप्त होता है और ऐसे वाहनो से खनन से जुड़े माफियाओं द्वारा रेत, बोल्डर, गिट्टी एवं मुरुम सहित मालवाहक के रुप मे उनका अवैध रुप से उपयोग किया जाता है। जिले भर में आए दिन पकड़े जा रहे ट्रैक्टर और उन पर खनिज धाराओं के तहत हो रही कार्यवाही इस बात की गवाही दे रही हैं। जबकि सारी हकीकत जानते हुए भी इस दिशा मे परिवहन विभाग एवं पुलिस अधिकारी चुप्पी साधे हुए है।

आए दिन घटित होती है दुर्घटना

ट्रैक्टर ट्रॉलियों में सिग्नल नहीं होने एवं इंजन की एक हेड लाइट जलाकर तेज एवं लापरवाह पूर्वक चलाने के कारण आए दिन क्षेत्र में सड़क दुर्घटना घटित हो रही है। बेलगाम होकर दौड रहे ट्रैक्टरों से क्षेत्र के कई राहगीरों को मौत की नींद सुलाकर फरार हो जाते हैं। इस प्रकार हादसों मे हर वर्ष दर्जन भर लोगो की जान जा रही है। मगर लगातार हो रहे हादसों के बाद भी विभाग के घ्यान नही देने के कारण हादसो मे इजाफा हो रहा है।

जानकारी के अनुसार खेती-किसानी का काम करने वाले किसानों द्वारा ट्रैक्टर-ट्रॉली खरीदने पर शासन ने उन्हें कर मुक्त रखा है। अगर कोई व्यक्ति ट्रैक्टर-ट्रॉली खरीद कर उसका व्यावसायिक उपयोग कर रहा है तो उसे ट्रैक्टर-ट्रॉली का अलग-अलग पंजीयन कराना होता है, इसके लिए परिवहन विभाग में बतौर पंजीयन राशि जमा करवाना होती है। संबंधित व्यक्ति को प्रत्येक दो साल बाद पंजीयन का रिन्युअल कराना भी आवश्यक है लेकिन इन सभी नियमों को दरकिनार कर कोतमा सहित पूरे क्षेत्र में

क्या है नियम

ट्रेक्टर-ट्रॉलियों का कृषि कार्य में कम व्यावसायिक उपयोग ज्यादा हो रहा है। व्यावसायिक कार्यों से आरटीओ को भी हर माह लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान होता है, फिर भी विभाग के अधिकारी इन पर कार्यवाही नहीं करते हैं। एक ओर सरकार किसानों को कृषि कार्य के संसाधनों व यंत्रों पर लाखों रुपए का अनुदान देती है

दूसरी तरफ व्यवसायी किसानों की आड़ में शासन से अनुदान प्राप्त कर ट्रैक्टर-ट्रॉली खरीदकर खनिज परिवहन में उपयोग करते हैं। आरटीओ कार्यालय के अनुसार ट्रैक्टर-ट्रॉली का कमर्शियल उपयोग के लिए पंजीयन शुल्क पांच हजार रुपए से अधिक होता है। आरटीओ रिकॉर्ड के अनुसार जिले में ट्रैक्टर-ट्रॉली का पंजीयन कमर्शियल उपयोग के लिए नहीं करवाया गया है। इससे यातायात नियमों का उल्लंघन हो रहा है साथ ही सड़कों पर तेज गति से दौड़ते ट्रैक्टर से हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं।

नाबालिग व नौसिखिया दौड़ाते हैं ट्रैक्टर

जिले में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैक्टर मालिक ट्रैक्टर नाबालिग, नौसिखिया को भी चलाने के लिए दे देते हैं जिनके पास इनका लाइसेंस तक नहीं होता। शहर में ट्रैक्टर सड़कों को खेत की तरह जोत रहे हैं, लाइसेंस जांच से लापरवाह ट्रैक्टर ड्राइवरों को एक हाथ में मोबाइल और दूसरे में स्टीयरिंग लिए देखा जा सकता है लेकिन पुलिस उन्हें देखकर भी आंख मूंदे रहती है। घनी आबादी के बीच तेज आवाज में गाना बजाते सुबह, दोपहर, शाम बेलगाम रफ्तार से चलने वाले ट्रैक्टरों को रोकने वाला कोई नहीं दिखता।

सुरक्षा संबंधित मानक की नहीं होती जांच

प्रशासिनक जांच और कार्यवाही में शिथिलता बरती जा रही है। प्रशासनिक नियंत्रण नहीं रहने का परिणाम है कि नगर के गलियों में भी काफी स्पीड से ट्रैक्टर का परिचालन जारी है व सड़क पर तेज गति से ट्रैक्टर गुजरने से लोग काफी भयभीत रहते हैं। शहर में बाइक परिचालन के लिए हेलमेट दस्तावेज की जांच हो रही है लेकिन ट्रैक्टर परिचालन से संबंधित सुरक्षा मानक की जांच नहीं हो रही है। वहीं जब कभी जांच में बिना लाइसेंस ट्रैक्टर चलाते पकड़े जाने पर संबंधित विभाग द्वारा केवल जुर्माना वसूली कर अपना कोरम पूरा कर लेते हैं।

एक दिवसीय पोषण सखी उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कृषि विभाग के तत्वावधान में सुरजपुर जिले के प्रतापपुर ब्लॉक में निवासरत ग्रामीण आदिवासी परिवारों के आय में वृद्धि एवं वर्ष भर पोषित आहार की उपलब्धता हेतु वर्ल्ड बैंक एवं आई.एफ.ए.डी. के सहयोग से ''चिराग परियोजना'' संचालित किया जा रहा है।

इस परियोजना अंतर्गत चिन्हांकित ग्रामों में पोषण आधारित गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु ''पोषण सखी'' के रूप में कार्य करने के लिए संबंधित ग्रामों के महिलाओं का चयन किया गया है। चयनित महिलाओं पोषण सखी के रूप में कार्य करने के लिए तकनीकी सहयोग संस्था पीसीआई के सहयोग से एक दिवसीय पोषण सखी

उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण के दौरान चयनित महिलाओं को चिराग परियोजना का परिचय, कुपोषण, संतुलित आहार, कृषि एवं पोषण से संबंधित दैनिक भोजन के आहार विविधता और सामाजिक व्यवहार परिवर्तन हेतु संचार किया गया। इस परियोजना को मास्टर ट्रेनर श्री रूपनाथ हंस ब्लाक कोऑर्डिनेटर पीसीआई इंडिया एवं विभा साहू सुपरवाइजर महिला एवं बाल विकास विभाग के द्वारा महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के उपस्थित उपसंचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी श्री संदीप सिंहा, चिराग राज्य कार्यालय से श्री मयूर गुप्ता एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री शिव शंकर यादव तथा कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी और चयनित 40 पोषण सखी उपस्थित रहे।

सूरजपुर जिले के 14 प्रधान आरक्षक बने एएसआई

डीआईजी/ एसएसपी सूरजपुर ने स्टार लगाकर दी पदोन्नति

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में कार्यरत् 14 प्रधान आरक्षक पदोन्नत होकर एएसआई बने। गुरूवार, 17 अक्टूबर 2024 को डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री एम.आर.आहिरे (भापुसे) ने प्रधान आरक्षक अमरेश सिंह, विवेकानंद सिंह, आलोक सोनी, विशाल मिश्रा, कुसुमकांता लकड़ा, संजय कुमार सिंह, अविनाश सिंह, अदीप प्रताप सिंह, अशोक साहू, इन्द्रजीत सिंह, रविनंद सिंह, पूरनचंद राजवाड़े, लखेश साहू व ऐसन पाल के कंधों पर स्टार लगाकर एएसआई पद पर पदोन्नति दी। उन्होंने पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षकों को कहा कि जनता के हित में कार्य करें, फरियादी को न्याय दिलाने की दिशा में त्वरित एक्शन ले और सौपें गए दायित्वों का पूर्ण निष्ठा के साथ ईमानदारी से निर्वहन करें। उन्होंने पदोन्नत हुए प्रधान आरक्षकों को उज्जवल भविष्य के लिए

शुभकामनाए दी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, डीएसपी मुख्यालय महालक्ष्मी कुलदीप, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, निरीक्षक प्रकाश राठौर, जावेद मियांदाद, स्टेनो अखिलेश सिंह, आनंद राम पैंकरा, महेश पैंकरा, अग्रिमा मिश्रा, दशरथ पैंकरा, अरविन्द्र प्रसाद सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

सूरता, रामानुजनगर में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का हुआ आयोजन

प्रशासन आपके द्वार शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठायें - भूलन सिंह मराबी

जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में 147 आवेदन प्राप्त हुये

-संवाददाता-
सूरजपुर, 18 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

आज जनपद पंचायत रामानुजनगर के सूरता में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया था। शिविर में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी भी उपस्थित हुए थे। जिसमें उन्होंने क्षेत्र के आमजन को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ने के लिये बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने की बात कही। उन्होंने कहा जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर के माध्यम से प्रशासन आपके द्वार पर पहुंचा है। इस अवसर का लाभ उठाये और ज्यादा से ज्यादा शिविर स्थल में पहुंचकर अपनी समस्याओं से निदान पायें। प्राप्त अंतिम जानकारी के अनुसार शिविर में 147 आवेदन प्राप्त हुए थे। समस्याओं के निराकरण के लिए शिविर में प्राप्त आवेदन पर समय सीमा में समाधान कारक निराकरण के लिए कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। शिविर में कलेक्टर ने सूरजपुर समाधान एप्लीकेशन का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि समाधान एक व्हाट्सअप पर आधारित ऐप है। जिससे जुड़कर आमजन प्रशासन के माध्यम से अपनी समस्याओं का निराकरण प्राप्त करेंगें। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित जनों के साथ समाधान सूरजपुर एप्लीकेशन के लिए उपयोग में लाये जानें वाले व्हाट्सअप नंबर ''9826443377'' को साझा किया। उन्होंने कहा इस व्हाट्सअप नंबर के माध्यम से आप अपनी समस्या और सुझाव जिला प्रशासन के साथ साझा कर सकते हैं। इसके साथ ही इसी में पावती और अपने आवेदन की स्थिति जान सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह सुविधा शीघ्र ही सूरजपुर जिले वासियों के लिए चालू कर दी जायेगी।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टॉल स्थापित किया गया था। जिसमें ग्रामीण जन की ब्लड प्रेशर, मधुमेह व अन्य गैर संचारी रोगों का ईलाज किया गया। शिविर में जिला कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा भी स्टॉल लगाया गया था। जिसमें 18 से 45 आयु वर्ग के लोगों को मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना से जोड़ने के लिये आवेदन कराया गया। जिसके तहत उन्हें विभिन्न ट्रेड में 03 से 06 माह के कोर्स में लाईवलीहुड कॉलेज पारी में प्रशिक्षण कराया जायेगा और उन्हें प्लेसमेंट के माध्यम से रोजगार के अवसर भी मुहैया कराया जायेगा। इसके साथ

ही कृषि, खाद्य व अन्य विभागों के स्टॉल भी शिविर में लगाये गये थे। जिसमें ग्रामीण जन उपस्थित होकर शासन की योजनाओं से जुड़े। शिविर में जनपद अध्यक्ष श्रीमती माया सिंह, श्री बाबूलाल अग्रवाल, श्री जय प्रकाश उपाध्याय अन्य जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीण जन, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, जनपद सीईओ श्री संजय राय व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच आज फिर होगी भिड़ंत

ओमान,18 अक्टूबर 2024। भारत और पाकिस्तान के बीच ओमान के अल अमरत में 19 अक्टूबर में इमर्जिंग एशिया कप टी20 में आमने-सामने होंगी। इस बार ये टूर्नामेंट 18 अक्टूबर से लेकर 27 अक्टूबर तक ओमान के अल अमरत में खेला जा रहा है, जिसमें ये टूर्नामेंट का छठा संस्करण हैं। इस बार इमर्जिंग एशिया कप टी20 फॉर्मेट में खेला जा रहा है, जिसमें भारत और पाकिस्तान की ए टीम के अलावा हॉन्ग कॉन्ग, ओमान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई की टीम भी हिस्सा ले रही है। भारतीय ए टीम को इस बार टूर्नामेंट में ग्रुप-ए में जगह मिली है जिसमें उसके साथ पाकिस्तान के अलावा यूएई और ओमान की टीम हिस्सा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच मैच की रहेगी ये टाइमिंग

इमर्जिंग एशिया कप टी 20 में भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप-ए के अपने पहले मुकाबले के साथ करेगी। ये मैच ओमान के अल अमरत क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। जिसमें मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से शुरू होगा। भारतीय ए टीम के ये लिए इस टूर्नामेंट में कप्तानी की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ी तिलक वर्मा संभाल रहे हैं, तो वहीं पाकिस्तानी ए टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी मोहम्मद संभालते हुए नजर आएंगे। दोनों ग्रुप से टॉप-2 में रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में अपनी जगह को पक्का करेंगी। भारतीय ए टीम को पिछली बार इमर्जिंग एशिया कप के फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ 128 रनों की हार का सामना करना पड़ा था, ऐसे में टीम इंडिया की नजरें इस मैच में जीत हासिल कर हिसाब बराबर करने पर होंगी।

भारत बनाम पाकिस्तान मैच का सीधा प्रसारण

इमर्जिंग एशिया कप 2024 में भारत और पाकिस्तान की ए टीम के बीच होने वाले इस मैच की शुरुआत भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे होगी तो वहीं इस मुकाबले का फैंस टीवी पर सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं जिसमें ये मैच स्टार स्पोर्ट्स 1 पर आएगा।
इस मुकाबले का सीधा प्रसारण ऑनलाइन फैंस फैनकोड की एप और ब्राउजर दोनों पर देख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने स्मार्ट टीवी पर भी फैनकोड की एप पर ये मैच देख सकते हैं।

इमर्जिंग एशिया कप टी 20 के लिए भारत और पाकिस्तान का स्क्वायड

भारत - तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, अनुज रावत, प्रभसिमरन सिंह, नेहल वढेरा, अंशुल कंबोज, रितिक शौकीन, आकिब खान, वैभव अरोड़ा, रसिख सलाम, साई किशोर, राहुल चाहर।
पाकिस्तान - मोहम्मद हारिस (कप्तान), अब्बास अफरीदी, कासिम अकरम, अहमद दानियाल, शाहनवाज दहानी, मोहम्मद इमरान, हसीबुल्लाह खान, यासिर खान, जमान खान, अराफात मिन्हास, सुफियान मोकिम, मेहरान मुमताज, अब्दुल समद, ओमैर यूसुफ।

संक्षिप्त खेल की खबरें

स्कॉट बोलैंड की नजरें भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज में वापसी पर

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर 2024। गर्मियों की शुरुआत में चोटों से परेशान रहने के बाद स्कॉट बोलैंड मैदान में वापसी करने के लिए तैयार हैं। वो शेफील्ड शील्ड में वापसी करने के साथ और ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला से पहले स्कॉट बोलैंड अपनी फॉर्म और ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह हासिल करने की उम्मीद कर रहे हैं। बोलैंड एमसीजी में शील्ड में वापसी करेंगे, जहां उनकी विक्टोरिया टीम स्टार-स्टडेड मुकाबले में न्यू साउथ वेल्स से भिड़ेगी।

डेनियल कोलिंस ने टाला रिटायरमेंट

कहा-मैं 2025 में टूर पर वापस आऊंगी

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2024। विश्व नंबर-9 टेनिस खिलाड़ी डेनियल कोलिंस ने अपनी रिटायरमेंट की योजना को स्थगित कर दिया है, और अमेरिकी खिलाड़ी ने घोषणा की है कि वह अगले साल फिर से टूर पर लौटेंगी। इस वर्ष की शुरुआत में, कोलिंस ने कहा था कि 2024 उनके टूर का अंतिम सीजन होगा लेकिन अब उन्होंने 2025 में टूर पर लौटने का फैसला किया है। कोलिंस ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, तो, डैनिमल स्टोरी अपने निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। मैं 2025 में फिर से टूर पर आऊंगी।

कामरान गुलान नहीं इंग्लैंड को मात देने के बाद ये खिलाड़ी बनाम प्लेयर ऑफ द मैच

मुल्तान,18 अक्टूबर 2024। लंबे समय बाद आखिरकार पाकिस्तान को टेस्ट में जीत नसीब हुई है। मुल्तान में खेले गए पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को 152 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। पाकिस्तान के लिए टीम में बदलाव करना सही साबित हुआ और इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने शानदार खेल दिखाया। इस मैच में पाकिस्तान की तरफ से बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह जैसे खिलाड़ी नहीं खेले थे, लेकिन फिर भी पाकिस्तान ने ये मुकाबला जीत लिया।

पाकिस्तान की टीम ने अपनी धरती पर किसी टेस्ट मैच में 1348 दिन के बाद जीत देखी है। इस मैच में पाकिस्तान की जीत में सिर्फ तीन खिलाड़ी सबसे बड़े हीरो रहे। हालांकि, पूरी टीम का इसमें सहयोग रहा, लेकिन बाबर आजम की जगह टीम में शामिल किए गए कामरान गुलाम, साजिद खान और नोमान अली जीत के असली हीरो साबित हुए। पाकिस्तान की जीत के बाद प्लेयर ऑफ द मैच कामरान गुलाम को नहीं दिया गया जिन्होंने शतकीय पारी खेली थी बल्कि सादिज खान को इस अवॉर्ड से नवाजा गया।
इस मैच में पाकिस्तान के लिए पहली पारी में चौथे नंबर पर खेलते हुए कामरान गुलाम ने अहम शतकीय पारी खेली थी और टीम के लिए 118 रन की पारी खेलते हुए पाकिस्तान के स्कोर को 366 रन तक पहुंचाया था। वहीं पहली पारी में पाकिसस्तान की तरफ से साजिद खान ने 7 विकेट तो नोमान ने 3 विकेट अपने नाम किए थे। इनकी बेहतरीन गेदंबाजी के दम पर इंग्लिश टीम 291 रन पर ऑलआउट हो गई।

इतिहास रचेगी साउथ अफ्रीका की टीम

» 20 अक्टूबर को खेलेगी फाइनल...

बोस्निया,18 अक्टूबर 2024। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का फाइनल ऐतिहासिक फाइनल होने वाला है। पहले सेमीफाइनल के बाद ये स्थिति तो साफ हो गई है कि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली बार फाइनल में नजर नहीं आएंगी। साउथ अफ्रीका ने गुरुवार को 6 बार वर्ल्ड चैंपियन को बाहर का रास्ता दिखाया है। अब सवाल ये है कि 25 वर्षीय लारा टीम के वर्ल्ड कप जीतने का सपना पूरा कर पाएंगी?साउथ अफ्रीका की टीम आज कभी कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीता है। टीम सेमीफाइल और फाइनल तक पुहंची लेकिन ट्रॉफी नहीं उठा पाई। एबी डिविलियर्स, मॉर्ने मॉर्केल, हाशिम अमा, जैक कलिस जैसे कई दिग्गजों ने क्रिकेट की दुनिया में नाम तो कमाया लेकिन वह ट्रॉफी नहीं जीत पाए। लारा की कप्तानी में महिला टीम फाइनल में पहुंच गई हैं और अब उनके पास मौका है कि वह इस सपने को पूरा करें।
लारा ने कई मौकों पर ये कहा कि विराट कोहली उनके पसंदीदा क्रिकेटर हैं। वह उनकी बल्लेबाजी से लेकर उनकी कप्तानी को बहुत पसंद करती है। विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की दोस्ती के बारे में सभी जानते हैं। दोनों काफी करीब हैं। अब लारा के पास मौका है कि वह डिविलियर्स का सपना पूरा करें। उनकी कप्तान में टीम खिताब जीत सकती है। उनका सामना वेस्टइंडीज या न्यूजीलैंड के बीच में से किसी भी एक टीम से होगा।

हरमनप्रीत न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय कप्तान बरकरार

नई दिल्ली,18 अक्टूबर 2024। हरमनप्रीत कौर को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम क्रिकेट टीम का कप्तान बरकरार रखा गया जबकि चयनकर्ताओं ने 24 अक्टूबर से शुरू हो रही श्रृंखला के लिए चार 'अनकैप्ड' (जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ियों को भी चुना है। टी20 विश्व कप से भारत के जल्दी बाहर होने के बाद कप्तान के रूप में हरमनप्रीत के भविष्य पर सवाल उठने लगे थे। हालांकि चयनकर्ताओं ने फिलहाल उनके साथ बने रहने का फैसला किया है।
अहमदाबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों की शुरुआत भी करेंगे

जिसकी मेजबानी भारत अगले साल करेगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि 21 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष इस श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं होंगी क्योंकि इसकी तारीखें उनकी 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के साथ टकरा रही हैं। चोट के कारण आशा शोभना के नाम पर विचार नहीं किया गया जबकि ऑलराउंडर पूजा वस्त्रकार को आराम दिया गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में भारत ए टीम का हिस्सा रही अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका दिया गया है।
जिसमें तेजल हसबनीस, सयाली सतगरे और प्रिया मिश्रा शामिल हैं। डब्ल्यूपीएल खेल चुकी तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर टीम की एक और ऐसी सदस्य हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय पदार्पण का इंतजार है। टी20 विश्व कप में खराब फॉर्म में चल रहीं स्मृति मंधाना को उपकप्तान बनाया गया है। चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी बल्लेबाज उमा छेत्री भी टीम का हिस्सा हैं और वह इस श्रृंखला में एकदिवसीय पदार्पण कर सकती हैं। तीनों मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

कैमरन ग्रीन की अनुपस्थिति ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के समीकरण बदल देगी

सिडनी,18 अक्टूबर 2024। स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की अनुपस्थिति से भारत के खिलाफ होने वाले पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी के समीकरण बदल जाएंगे और इससे स्पिनर नाथन लियोन का कार्यभार बढ़ सकता है। ग्रीन अपनी पीठ संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए सर्जरी कराएंगे जिसके कारण वह कम से कम छह महीने तक खेल से दूर रहेंगे। ऑस्ट्रेलिया के पास मिशेल मार्श के रूप में एक और ऑलराउंडर है लेकिन स्टार्क का मानना है कि ग्रीन की अनुपस्थिति से ऑस्ट्रेलिया का संयोजन प्रभावित होगा।
ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार स्टार्क ने

कहा,''जब आपको कैमरन ग्रीन जैसे अदद ऑलराउंडर की सेवाएं नहीं मिलती हैं या जब बेन स्टोक्स इंग्लैंड की टीम में नहीं होते हैं तो इससे समीकरण बदल जाते हैं।'' उन्होंने कहा,''जब आपके पास वह अदद ऑलराउंडर होता है जो कुछ समय से टीम का हिस्सा रहा हो। उसके बाहर होने से आप गेंदबाजी में नए विकल्पों की तलाश में जुट जाते हैं।'' स्टार्क ने कहा,''मैं नहीं जानता कि हमारा गेंदबाजी संयोजन कैसा होगा। मिच (मार्श) की गेंदबाजी को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया इससे पहले भी इस तरह की परिस्थितियों से गुजर चुका है। उन्होंने कहा,''यह हमारे लिए नया मुद्दा नहीं है। हमने अतीत में भी ऐसी श्रृंखलाएं खेली हैं जब हमारे पास कोई ऑलराउंडर नहीं था। हमें अपना कार्यभार बढ़ाना पड़ सकता है और गाज़ (नाथन लियोन) को शायद कुछ अतिरिक्त गेंदबाजी भी करनी होगी।

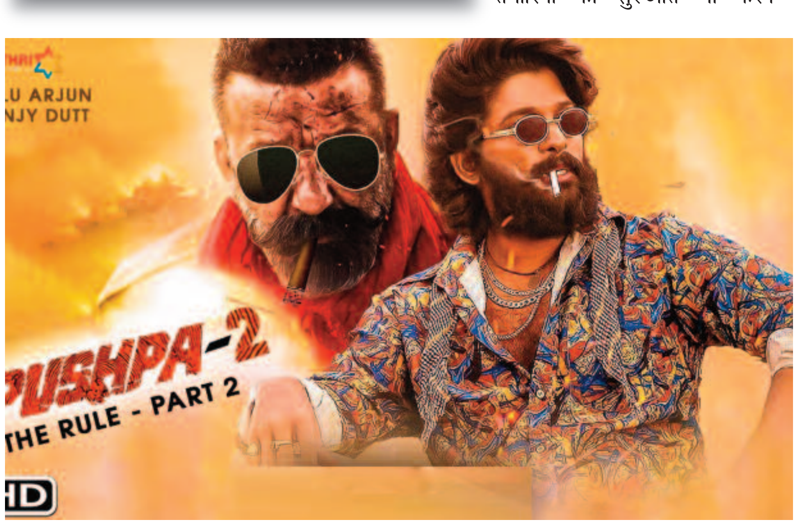

पुष्पाः द रूल से अल्लू अर्जुन की नई झलक आई सामने

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा- द रूल इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म पुष्पाः द राइज (2021) का सिक्वल है।अब फिल्म से अल्लू की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें उनका धांसू अवतार दिख रहा है। पुष्पा राज बन वह एक बार फिर धमाल मचाएंगे को तैयार हैं। पुष्पाःद रूल 6 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना फिल्म छावा से होगा।बता दें, साउथ एक्टर ब्रह्मा ने फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग खत्म होने की जानकारी दी है. एक्टर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी शेयर किया है. वीडियो में पुष्पा 2 के डायरेक्टर, ब्रह्मा, फहाद फासिल और एनिमल एक्टर सौरभ सचदेवा भी दिख रहे हैं. यह सभी एक कार में हैं. कार पुष्पा 2 के विलेन भंवर सिंह शेखावत फहाद चला रहे हैं. वहीं, पुष्पा 2 में शॉकिंग एंट्री सौरभ सचदेवा की है, जिन्होंने फिल्म एनिमल में बॉबी देओल के छोटे भाई का रोल प्ले किया था. सौरभ को फिल्म एनिमल से खूब शोहरत मिली है. अब पुष्पा 2 में सौरभ की एंट्री बताती है कि फिल्म और भी ज्यादा धांसू होने वाली है.पुष्पाःद रूल के निर्देशन की कमान सुकुमार कर रहे हैं। पहले भाग का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था।इस फिल्म में फहद फासिल भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुए नजर आएंगे। एसपी भंवर सिंह शेखावत उनकी झलक पहले ही सामने आ चुकी है।पुष्पा- द रूल हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ के साथ बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी।यह पहली पैन-इंडिया फिल्म है, जो बंगाली भाषा में रिलीज होने वाली है।

पहले एक्टिंग सीख लो...जब शाहरुख खान ने काजोल को दी थी यह सलाह

स्ट्रगल के बाद फिल्में छोड़ने वाली थीं काजोल

काजोल ने हाल ही एक इंटरव्यू में अपने करियर के शुरुआती दिनों के स्ट्रगल के बारे में बात की। काजोल ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं, पर कभी ऐसा भी वक्त था, जब वह तीन फिल्मों के बाद ही एक्टिंग छोड़ना चाहती थीं। तब शाहरुख ने उनसे ऐसी बात बोल दी थी कि वह हैरान थीं। पर उसी बात ने काजोल को इंस्पायर किया कि वह एक्टिंग जारी रखें। काजोल और शाहरुख की जोड़ी को बॉलीवुड की सुपरहिट और आइकॉनिक जोड़ियों में शुमार किया जाता है। दोनों ने साथ में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। इनमें दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है और कभी खुशी कभी गम जैसे नाम शामिल हैं।

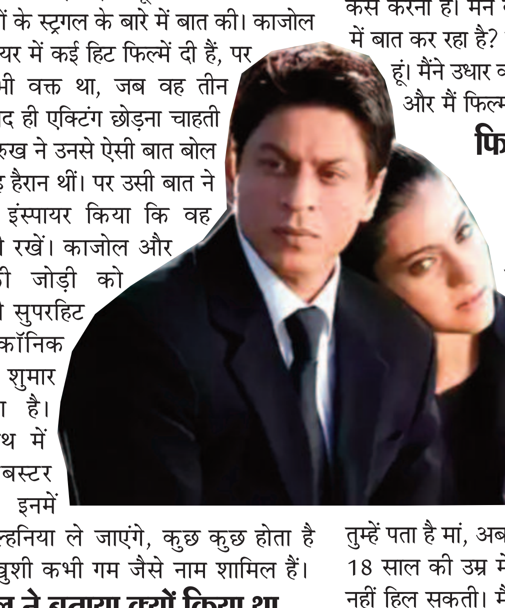

काजोल ने बताया क्यों किया था एक्टिंग छोड़ने का फैसला

काजोल ने इंटरव्यू में कहा, मैंने बहुत पहले उधार की जिंदगी नाम की एक फिल्म की थी। मुझे लगता है, वह मेरी तीसरी फिल्म थी। मैं बिल्कुल नई थी। उस समय मेरी उम्र लगभग 17 या 18 साल रही होगी। और मुझे याद है, मैंने फिल्म पूरी कर ली थी।

शाहरुख ने कहा...पहले एक्टिंग सीखने की जरूरत

काजोल ने आगे बताया कि उससे पहले, शाहरुख ने उनसे कहा था कि तुम्हें बस यह सीखना है कि एक्टिंग कैसे करनी है। मैंने कहा कि ये क्या है? ये किस बारे में बात कर रहा है? मैं इतना शानदार काम तो कर रही हूं। मैंने उधार की जिंदगी नाम की यह फिल्म की। और मैं फिल्म खत्म कर रहा हूं।

फिल्में छोड़ने का फैसला, मां से बोलीं- बस बहुत हुआ...

काजोल ने फिर बताया कि कैसे उन्होंने थक-हारकर फिल्में छोड़ने का फैसला कर लिया था। वह बोलीं, मुझे याद है कि उस समय मैंने पलटकर अपनी मां से कहा था, तुम्हें पता है मां, अब बहुत हुआ। मैं थक गई हूं। साढ़े 18 साल की उम्र में मेरा काम तमाम। मैं अब और नहीं हिल सकती। मैं अब और नहीं रो सकती। अब ग्लिसरीन नहीं डाल सकती।

मैं गाने वाली फिल्में करना चाहती थी...

काजोल ने आगे कहा, मैं नहीं कर सकती। मैं अब ये फिल्में नहीं करना चाहती। मैं चार सीन, 10 गाने...ये सब करना चाहती हूं। मैं ऐसी फिल्में करना चाहती थी। और मैंने ऐसी चार फिल्में साइन कीं। तो यहीं से गुंडा राज, हलचल, ये सारी फिल्में आई। उसके बाद मैंने एक्टिंग सीखी।

शादी की सिल्वर जुबली पर माधुरी दीक्षित ने पति संग शेयर किया रोमांटिक वीडियो

माधुरी दीक्षित और उनके पति श्रीराम नेने ने अपनी शादी की 25 वीं सालगिरह मनाई। इस खास दिन को यादगार बनाने के लिए दोनों ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर रोमांटिक वीडियो शेयर कर अपने पार्टनर को बेहद ही खास अंदाज में विश किया है। वीडियो में बॉलीवुड की धक धक गर्ल को अपने पति पर खूब प्यार लुटाते दिखा जा सकता है। माधुरी दीक्षित और श्रीराम नेने ने साल1999 को शादी की थी और अब अपनी शादी की सिल्वर जुबली पर रोमांटिक वीडियो शेयर कर छा गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस का ये लेटेस्ट पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा है।

25 वीं एनिवर्सरी पर माधुरी दीक्षित ने पति पर लुटाया प्यार

माधुरी दीक्षित ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, प्यार, हंसी और आपके साथ अनगिनत यादों के 25 साल। हैप्पी एनिवर्सरी,माय फॉरएवर श्रीराम नेने ने भी अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और अपनी लाइफ पार्टनर के लिए एक प्यारा सा नोट लिखा है। उन्होंने लिखा, जैसा कि एक आदमी ने कहा है, दो दिल जो एक होकर धड़कते हैं। मेरी हमसफर और हमेशा मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद.25वीं सालगिरह की हार्दिक शुभकामनाएं। आप मेरे लिए इस दुनिया की सबसे खूबसूरत वाइफ हैं, सबसे प्यारी और समझदार। हमने अपनी जिंदगी का लगभग आधा हिस्सा एक साथ बिताया है जो हमारी लाइफ के सबसे बेहतरीन साल रहे हैं, कई यादें बनाते हुए, बच्चों की परवरिश करते हुए, मौज-मस्ती करते हुए और 25 साल बीत गए।

माधुरी की प्रेम कहानी

1999 में, माधुरी दीक्षित ने लॉस एंजिल्स में कार्डियोवैस्कुलर सर्जन श्रीराम माधव नेने से शादी की। अभिनेत्री ने एक बार डांस दीवाने में खुलासा किया था कि वो एक्ट्रेस है ये बात उनके पति नेने को नहीं पता थी। इतना ही नहीं वह अपनी शादी तक सब कुछ ऐसा ही रखना चाहती थीं। वह नहीं चाहती थी कि ये बात शादी के पहले नेने को पता चले क्योंकि जब लोग आपको एक अभिनेत्री के रूप में देखते हैं तो उनके मन में पहले से ही धारणाएं बन जाती है कि वो आपसे शादी कर ले। मगर मेरे साथ ऐसा कुछ भी नहीं हुआ था। मुझे सही व्यक्ति मिला, मैं शादी करना चाहती थी और मैंने शादी कर ली।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

नहीं रही बस्तर की बेटी इरा झा,एम्स में ली अंतिम सांस

रायपुर,18 अक्टूबर 2024(ए)। हिन्दी पत्रकारिता की अग्रणी और बस्तर की माटी से गहराई से जुड़ी इरा झा ने एम्स, दिल्ली में अंतिम सांस ली। इरा झा ने 1980 और 90 के दशक में पत्रकारिता में उस दौर में खास मुकाम बनाया, जब महिलाओं की उपस्थिति न्यूज़रूम में दुर्लभ थी। बस्तर से दिल्ली तक का उनका सफर सिर्फ पेशेवर उपलब्धियों का नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ और बस्तर के मुद्दों को राष्ट्रीय मंच पर लाने का भी रहा।तेजतर्रार रिपोर्टर और जमीनी हकीकत से जुड़ी इरा झा को उनकी सुलझी हुई दृष्टि और गहरी समझ के लिए जाना जाता था। दशकों तक राजधानी दिल्ली में रहते हुए भी, उन्होंने अपने भीतर बस्तर को जिंदा रखा और हर अवसर पर उसके मुद्दों को आवाज दी। हालांकि, उन्हें पत्रकारिता में वह स्थान नहीं मिल पाया जिसका वह हकदार थीं, बावजूद इसके उनका योगदान अविस्मरणीय है।इरा झा ने महिलाओं की पहचान बनाने में अहम भूमिका निभाई। उस दौर में, जब महिलाओं की उपस्थिति पत्रकारिता में बेहद सीमित थी, इरा झा ने अपनी तेजतर्रार रिपोर्टिंग से दिल्ली में खास पहचान बनाई।

क्लिनिक अवैध होने पर स्वास्थ्य विभाग ने किया सील

बीजापुर,18 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले में संचालित अवैध क्लिनिक पर स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। लोगों की जान से खिलवाड़ की लगातार शिकायतों के बाद एसडीएम, सीएमएचओ सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गायत्री मेडिकल स्टोर के ऊपर संचालित अवैध क्लिनिक पर दबिश दी और क्लिनिक को सील किया। टीम ने क्लिनिक में रखे समान और दवाइयों को भी जब्त किया।. एसडीएम और स्वास्थ्य विभाग की टीम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमार कार्रवाई की। मौके से लगभग सात,आठ कार्टून दवाइयां,ब्लड सेम्पल,मशीनें,एनालाइजर व अन्य सामग्री बरामद कर पुलिस को सौंपी गई. जिले में और भी शिकायतें आ रही है इन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री के भतीजे पर बलवा करने का आरोप

कोरबा,18 अक्टूबर 2024(ए)। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के गृहग्राम कोहड़िया गांव में रावण दहन के बाद जमकर बवाल हुआ, जिसमें करीब आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि कोहड़िया गांव में ही रहने वाले दबंग युवकों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। मारपीट करने वाले युवकों में कोहड़िया गांव निवासी सोनू पटेल, अभय निषाद, प्रीमेश देवांगन समेत अन्य लोग शामिल थे। जानकारी के अनुसार प्रीमेश देवांगन उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन का भतीजा बताया जा रहा है। इस मामले में मारपीट की शिकायत बरमपुर निवासी सूर्य प्रकाश पटेल ने सीएसईबी चौकी पुलिस में की है, जहां घायलों का मुलायजा करने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

फंदे पर लटका हुआ मिला कांग्रेस नेत्री के बेटे का शव

कोरबा,18 अक्टूबर 2024(ए)। कोरबा में कांग्रेस नेत्री के बेटे ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. बताया जा रहा कि वह कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान था। मानिकचौरी पुलिस ने मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, रवि शंकर शुक्ला नगर स्थित वाल्मीकि आवास में निवासरत माया थापा के बेटे रितेश थापा ने बीती रात घर पर पंखे पर फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। 34 वर्षीय रितेश एक बच्चे के पिता थे. पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है और घटना की जांच में जुट गई है।

दंतेवाड़ा मुठभेड़ में मारे गए 38 नक्सली

- **2 करोड़ 62 लाख रुपये के इनामी थे...**
- **मुठभेड़ के बाद 38 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए...**
- **नक्सलियों की पहचान पूरी, जिनमें कई शीर्ष नक्सली नेता शामिल।**

दंतेवाड़ा,18 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सीमा नेंदूर-थुलथुली क्षेत्र में नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई मुठभेड़ में मारे गए 38 नक्सलियों की शिनाख्त कार्रवाई पूरी हो चुकी है। इन नक्सलियों पर कुल 2 करोड़ 62 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

यह मुठभेड़ 3 अक्टूबर 2024 को पूर्वी बस्तर डिवीजन, पीएलजीए कंपनी 6, इंद्रावती एरिया कमिटी, प्लाटून 16 इत्यादि के शीर्ष नक्सलियों की सूचना पर दंतेवाड़ा डीआरजी, नारायणपुर डीआरजी और एसटीएफ की संयुक्त टीम द्वारा की गई। मुठभेड़ के दौरान 31 नक्सलियों के शव, हथियार और अन्य सामान बरामद किए गए थे।

250 से अधिक अपराध थे पंजीबद्ध

पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि मुठभेड़ में शामिल नक्से सलियों की पहचान की गई है। इनमें 1 डीकेएसजेडसी, 1 सीवाईपीसी कमांडर, 4 डीवीसीएम, 18 पीएलजीए कंपनी नंबर 6 सदस्य और अन्य शामिल हैं। इनके खिलाफ दंतेवाड़ा, नारायणपुर, बस्तर और कोंडागांव में 250 से अधिक अपराध पंजीबद्ध हैं। इनमें 61 पुलिस-नक्सली मुठभेड़, 11 कैंप अटैक, 17 आईईडी ब्लास्ट, 9 आगजनी और 3 पोलिंग बूथ पर हमले जैसी गंभीर घटनाएं शामिल हैं। इन घटनाओं में 26 आम नागरिक घायल, 23 की हत्या और 28 पुलिस जवान शहीद हुए हैं।

25 लाख रुपये की इनामी नीति उर्फ उर्मिला भी ढेर

दंतेवाड़ा एसपी ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए 38 नक्सलियों की सूची में प्रमुख नक्सली नेता भी शामिल हैं। इनमें 25 लाख रुपये की इनामी नीति उर्फ उर्मिला, 10 लाख रुपये की इनामी नंदू मंडावी और 8 लाख रुपये के इनामी सुरेश सलाम उर्फ जानकू शामिल हैं। इन नक्सलियों के खिलाफ कई गंभीर अपराधों के केस दर्ज हैं।दंतेवाड़ा एसपी ने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा स्थापित की जा सके। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने नक्से सली संगठनों को चेतावनी दी है कि उनके पास अब हिंसा छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटने की अपील की है।

नक्सली सुजाता ने किया आत्मसमर्पण

1 करोड़ की इनामी नक्सली ने तेलंगाना पुलिस के सामने छोड़ा हथियार

1 करोड़ की इनामी नक्सली नेता सुजाता उर्फ पोतुला कल्पना ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। तीन दिनों से सोशल मीडिया पर गिरफ्तारी की खबर चल रही थी। लेकिन सच्चाई यह है कि, एक करोड़ की ईनामी नक्सली नेता और सीसी मेम्बर सुजाता उर्फ पोतुला कल्पना गिरफ्तार नहीं हुई बल्कि तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है।बताया जा रहा है कि, स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से सुजाता ने 10 दिन पहले ही नक्सल संगठन को छोड़ दिया था। इसके बाद वह हैदराबाद के महबूब नगर में इलाज कराने आई थी। फिलहाल वह हैदराबाद पुलिस के कब्जे में है। पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है। सुजाता का पति किशन भी मोस्ट वांटेड नक्सल कमांडर था। झारखंड मुठभेड़ में उसकी हो गई।

100 से ज्यादा वारदातों में शामिल थी नक्सली सुजाता

नक्सली सुजाता छत्तीसगढ़ के सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिलों में 100 से ज्यादा वारदातों में शामिल थी। पुलिस ने बताया कि, उस पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र से लगभग एक करोड़ का इनाम था। सुजाता ने खुंखार नक्सली हिडमा को भी ट्रेनिंग दी है। उसने कई महिला नक्सली संगठन भी तैयार किया है।

कमिश्नर द्वारा की गई चेकिंग में खुली पोल

- **रात में सड़कों पर दिखे मवेशी...**
- **जिला प्रशासन का अमला दिखावे की कर रहा था कार्रवाई...**
- **एसडीएम से बोले कमिश्नर मालिकों पर दर्ज कराएं एफआईआर...**

बिलासपुर,18 अक्टूबर 2024(ए)। न्यायधानी में हाईकोर्ट की सख्त चेतावनी के बाद भी सड़कों पर बैठे मवेशियों को हटाने के लिए केवल दिखावे की कार्रवाई की जा रही है। संभागायुक्त महादेव कावरे ने रात में बिलासपुर-तखतपुर रोड के सकरी और नेहरू नगर क्षेत्रों में चल रहे सड़क पर मवेशी रोकने के अभियान का निरीक्षण किया। इस दौरान कई स्थानों पर मवेशी जैसे गाय और भैंस सड़क पर बैठे हुए मिले, जिसे देखकर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई।

इस मार्ग पर गाड़ियां निकलने तक की जगह नहीं थी...

गुरुवार की देर शाम संभागीय कमिश्नर महादेव कावरे औचक निरीक्षण पर निकले। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर-तखतपुर मार्ग का जायजा लिया। यहां रोड में नेहरू चौक से लेकर उसलापुर व सकरी में कई जगह मवेशी सड़कों पर बैठे मिले। वहीं, कानन-पेंडारी से आगे मेन रोड पर मवेशियों के झूंड सड़कों पर डेरा जमाए मिले, जहां गाड़ियां निकलने तक की जगह नहीं थी।

मौके से एसडीएम को दिया निर्देश

इस दौरान कमिश्नर कावरे ने मौके पर ही एसडीएम पीयूष तिवारी को मोबाइल पर कॉल किया और मवेशी मालिकों की जानकारी जुटाकर एफ आई आर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मवेशियों के मालिकों का पता लगाकर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए, और यदि मवेशी आवारा हों तो उन्हें भी हटाने के उपाय किए जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को आवारा मवेशियों को अधिक संख्या में पकड़ने के लिए काऊ कैचर का उपयोग करने और मवेशियों पर रेडियम बेल्ट लगाने की प्रक्रिया तेज करने को कहा। कमिश्नर ने कहा कि व्यापारियों के साथ मिलकर अभियान चलाएं, सड़क पर मवेशियों की वजह से लगातार दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इससे केवल जनहानि ही नहीं, बल्कि मवेशियों की जान को भी खतरा बना रहता है।

जनहित याचिका का कोई असर नहीं

संभागायुक्त के औचक निरिक्षण में बिलासपुर की मुख्य सडकों का जो नजारा दिखा उससे ऐसा नहीं लगता कि सड़कों से मवेशियों को हटाने का काम गंभीरता से चल रहा है।दरअसल, नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे की सड़कों पर बैठी मवेशियों की वजह से लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं, जिससे मवेशियों के साथ ही आम लोगों की भी मौत हो रही है। बाइक सहित दूसरे वाहनों में सवार लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने इसे जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। सुनवाई के दौरान उन्होंने चीफ सेक्रेटरी सहित अफसरों से शपथपत्र मांगा था। जिसके बाद राज्य शासन को कार्ययोजना बनाकर काम करने के निर्देश दिए थे। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य शासन पर नाराजगी भी जताई थी। साथ ही कहा था कि मवेशियों को हटाने के लिए अफसरों की जवाबदेही तय की जाए। लेकिन, हाईकोर्ट की सख्ती के बाद भी जिला प्रशासन का अमला सड़कों पर बैठे मवेशियों को हटाने में नाकाम साबित हो रहा है।

ठगी के मामलों से बचने हाईकोर्ट रजिस्ट्रार ने सर्कुलर जारी कर किया एलर्ट

बिलासपुर,18 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में लगातार ठगी के मामले बढ़ रहे है। खास तौर पर सरकारी कर्मचारियों को जालसाज निशाना बना रहे हैं। ठगी के बढ़ रहे मामलों को लेकर हाईकोर्ट रजिस्ट्रार ने सर्कुलर जारी किया है। सर्कुलर में रकम दोगुनी करने का झांसा देने वालों व संस्थानों से सतर्क रहने कहा है। साथ ही ऐसे कृत्य करने वालों पर कार्रवाई करने की बात कही है।प्रदेश में ठगी व जालसाजी करने के कई मामले बढ़ रहे हैं। जाने-अनजाने लोगों की बातों में आकर लोग फंस जाते हैं और अपनी मेहनत की कमाई को मिनटों में खो देते हैं।

ठगी होने से बाद में पछताते रहते हैं। ऐसे में हाईकोर्ट रजिस्ट्रार ने एक सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर में जालसाजों से बचने व सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

इसलिए जारी किया गया सर्कुलर

हाईकोर्ट के नाम से ठगी की जारी है। इसमें कहा जाता है कि हाईकोर्ट ने अपने कर्मचारियों के लिए एक स्कीम चलाई है। इसमें रकम दो गुना करने का झांसा दिया जजा रहा है। हाईकोर्ट की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि कुछ धोखेबाज व्यक्तियों व संस्थाओं की ओर से कम समय में रकम डबल करने अथवा अधिक लाभ देने का लालच देकर लोगों को गुमराह करने की बहुत सी खबरे लगातार सामने आ रही है।

सनकी प्रेमी ने की नाबालिग गर्लफ्रेंड की हत्या

चाकू निकालकर बोला तू मेरी नहीं तो किसी की नहीं होगी...

बिलासपुर,18 अक्टूबर 2024(ए)।. छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक प्रेमी ने अपनी नाबालिग प्रेमिका की चाकू मारकर हत्या कर दी। मामला शुकवार सुबह बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र का है। पुलिस में आरोपी सागर साहू उम्र 18 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों के बीच जमकर विवाद

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी और नाबालिग लड़की के बीच 2 साल से प्रेम प्रसंग था। कुछ दिनों से लड़की ने युवक से बात करना बंद कर दिया था। जिससे युवक काफी गुस्से में था। वह शुक्रवार सुबह लड़की से बात करने उसके घर पर पहुंचा।

किसी बात को लेकर दोनों के बीच जमकर विवाद हो गया। जिसके बाद लड़के ने जेब से चाकू निकालकर उसके पेट में घोप दिया। अत्यधिक खून बह जाने के कारण लड़की की मौके पर ही मौत हो गई।

बंद कमरे में दो युवकों की संदिग्ध मौत

परिजनों ने भी खोया मानसिक संतुलन,तंत्र साधना का अंदेशा

सक्ती,18 अक्टूबर 2024 (ए)। सक्ती जिले के बारद्वार थाना क्षेत्र में तांडुलडीह गांव में सनसनीखेज मामला सामने आया है।यहां एक परिवार ने तंत्र साधना करने के लिए खुद को बंद कर लिया.ग्रामीणों की माने तो परिवार के लोग कुछ दिनों से बाहर नहीं निकले थे। घर के अंदर से अजीब तरह की आवाज आ रही थी.जिसकी सूचना पुलिस को दी गई।पुलिस जब ग्रामीणों के साथ घर के अंदर दाखिल हुई तो उनके होश उड़ गए.क्योंकि परिवार के लोग तस्वीर से सामने किसी मंत्र का जाप कर रहे थे.जबकि दो लोग पास ही लेटे हुए थे.जिन्हें पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया.लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।वहीं परिवार के दो लोगों की मानसिक स्थिति बिगड़ चुकी है।

राशनकार्ड नवीनीकरण की अंतिम तारीख नजदीक

31 अक्टूबर तक करा लें ईकेवाईसी

रायपुर,18 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने राशनकार्ड नवीनीकरण को लेकर बड़ा ऐलान किया है. खाद्य विभाग ने राशन कार्ड नवीनीकरण करने की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर तय कर दी है. छत्तीसगढ़ सरकार ने जारी की गई तारीख तक राशन कार्ड में अपडेट और ईकेवाईसी कराने की अपील हितग्राहियों से की है. खाद्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग असुविधा से बचने के लिए अपने राशन कार्ड का नवीनीकरण और ईकेवाईसी समय पर करवा लें.

कुरूद के बीईओ हुए निलंबित

जानकारी छुपाने और लापरवाही का है आरोप

रायपुर,18 अक्टूबर 2024(ए)। कुरूद विकासखंड के प्रभारी बीईओ (ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) डॉ. आर. एन. मिश्रा को राज्य शासन ने लापरवाही और सही जानकारी न देने के आरोप में निलंबित कर दिया है। उन पर समीक्षा बैठकों में आवश्यक जानकारी न देने और शिक्षा गुणवत्ता में सुधार न करने के अलावा कई अन्य आरोप भी लगाए गए थे।

जारी किए गए निलंबन आदेश में कहा गया है कि डॉ. आर. एन. मिश्रा ने उच्च अधिकारियों के निर्देशों की अनदेखी की, विभागीय समीक्षा बैठकों में समय पर जानकारी नहीं दी, और महत्वपूर्ण पत्रों का समय पर समाधान नहीं किया। इस लापरवाही, उदासीनता और स्वेच्छाचारिता को उनके पद के दायित्वों के प्रति गंभीर कर्तव्यच्युत माना गया है, जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3 का उल्लंघन है।

राज्य शासन ने डॉ. आर. एन. मिश्रा को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) 1966 के नियम-9 (1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, धमतरी रहेगा, और उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा।

सी के साहू बने नए प्रभारी बीईओ

डॉ. आर. एन. मिश्रा के स्थान पर एबीईओ (सहायक ब्लॉक शिक्षा अधिकारी) सी. के. साहू को कुरूद का नया प्रभारी बीईओ नियुक्त किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी टी. आर. जगदल्ले ने बताया कि समीक्षा बैठक में मिश्रा सही जानकारी नहीं दे पाए थे और महत्वपूर्ण पत्रों पर कार्रवाई करने में असफल रहे थे, जिसके चलते यह अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)